चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 146 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 नवंबर 2024 मंगलवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

फेमा उल्लंघन में फंसी ई-कॉमर्स कंपनी

अमेजन व फ्लिपकार्ट के 19 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली. एजेंसी

ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन और फ्लिपकार्ट पर फॉरेन इन्वेस्टमेंट के लिए तय किए गए नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी ने जांच तेज कर दी है। फेमा उल्लंघन में इन कंपनियों से जुड़े 19 से ज्यादा ठिकानों पर तलाशी अभियान भी चलाया गया। खबरों के मुताबिक अमेजन और फ्लिपकार्ट के टॉप अधिकारी विदेशी निवेश नियमों के कथित उल्लंघन में फंसे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में दोनों कंपनियों की कथित भूमिका की प्रारंभिक जांच पूरी करने के बाद इन अधिकारियों को तलब कर सकती है। बताया जाता है कि दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और पंचकूला (हरियाणा) में अमेजन और फ्लिपकार्ट के विक्रेताओं से जुड़े 19 से अधिक ठिकानों पर ईडी द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के बाद ये बात सामने आई है। गौरतरब है कि बीते कुछ सालों में पिछले कुछ वर्षों में घरेलू व्यापारियों और व्यापारिक संगठनों द्वारा अक्सर ये आरोप लगाए गए हैं कि विदेशी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपने कुछ खास विक्रेताओं के पक्ष में बाजार में हेरफेर करते हैं, जिससे छोटे विक्रेताओं को समान अवसर नहीं मिल पाते हैं।

झारखंड व महाराष्ट्र में कल होगा मतदान, सभी की नजरें

नारों और वादों पर एतबार या मुद्दे पैदा करेंगे लहर !

नई दिल्ली/मुंबई.एजेंसी

महाराष्ट्र व झारखंड में कल मतदान को लेकर खासी उत्सुकताएं बन गई हैं। दिल्ली की भी इस पर सीधी नजरें हैं। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार आखिरी दिनों में जिस तरह उबला है, उससे नतीजों को लेकर कोई भी साफ तौर पर कुछ कहने की स्थिति में नहीं हैं। उधर सट्टा बाजार पर भी नजरें हैं और इसमें कांग्रेस और महाविकास आघाड़ी की हवा बताई जा रही है। इस बीच किसानों के मुद्दे ने राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा रखी हैं। राज्य में सोयाबीन, कपास और प्याज की कीमतों को लेकर किसान अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री, और उपमुख्यमंत्री अपने-अपने तरीके से सफाई दे रहे हैं और किसानों को राहत देने के वादे कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह भी बताई जाती है कि किसानों को उनकी फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। वही युवा बेरोजगार, आरक्षण व जातिगत जनगणना भी मुद्दा बना दिख रहा है।

सट्टा बाजार के अलावा महाराष्ट्र के सैकड़ों राजनीतिक विश्लेषक और पत्रकार भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि अबकी बार यहां की दर्जनों सीटों पर बडा उलटफेर भी दिखेगा तथा कई अप्रत्याशित नजीजे आयेंगे। सटटा बाजार से जुडी खबरों में कहा जा रहा है कि आघाड़ी को 45 से 50 फीसदी वोट मिल सकते हैं। जबकि महायुति को 38 फीसदी वोट मिलेंगे।

मोदी ने की ब्रिटिश पीएम से बात

अब नीरव और माल्या पर ब्रिटेन लेगा एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय भगोडे कारोबारी विजय माल्या और नीरव मोदी पर ब्रिटेन जल्द एक्शन ले सकता है। इसकी संभावना इसलिये बढी है क्योंकि पीएम मोदी ने ये मुद्दा ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के सामने उठाया है। बताया जाता है कि जी-20 शिखर सम्मेलन में ब्राजील पहुंचे मोदी ने आज ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर से मुलाकात के दौरान माइग्रेशन से जुड़ी प्रक्रिया तेज करने की जरूरत पर सहमति जताई। मोदी और स्टार्मर के बीच यह पहली मुलाकात रही। उल्लेखनीय है कि भारतीय बिजनेसमैन नीरव दीपक मोदी एक भारतीय मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी के केस में भगोड़ा है। उस पर इंटरपोल और भारत सरकार ने आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और गबन का आरोप लगाया है। पंजाब नेशनल बैंक के 2 अरब डॉलर के धोखाधड़ी मामले के एक केस में नीरव मोदी की जांच की जा रही है। मार्च 2018 में नीरव मोदी के यूके में होने की सूचना मिली थी, जहां उसने राजनीतिक शरण के लिए आवेदन किया था। जून 2019 में स्विस अधिकारियों ने नीरव के स्विस बैंक खातों में मौजूद कुल 6 मिलियन यूएस डॉलर को सील कर दिया था।

शेयर बाज़ार में राहत, सेंसेक्स 950 अंक उछला

मुंबई। शेयर बाजार में बीते कुछ दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला इस सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन आज थोडा थमा है। सेंसेक्स जोरदार उछाल के साथ ओपन हुआ और कुछ ही मिनटों में ये 950 अंक तक चढ़कर 78000 के पार जा पहुंचा। वहीं निफ्टी ने भी 249 अंकों की तेजी ली। कल सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए थे। माना जा रहा था कि एशियाई बाजार की सुस्ती केचलते ऐसा हुआ था लेकिन आज बाजार में तेजी के बीच आज एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर तूफानी तेजी के भागते हुए दिखाई दिए।

मप्र में युवाओं को साधने के जतन

इधर, मप्र की यादव सरकार युवाओं को साधने के जतन कर रही है। नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं को अगले पांच सालों में सरकार ने सभी विभागों में रिक्त पड़े ढाई लाख पदों पर भर्ती का फैसला किया है। ये भर्तियां सरकार सीधी भर्ती प्रक्रिया से करेगी। यादव सरकार ने यह घोषणा की है। इसके लिए सरकार हर साल भर्ती कैलेंडर जारी होगा। जिसमें अलग-अलग पदों पर भर्ती की समय-सीमा तय होगी। हालांकि, वित्त विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि जिन पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है या नियुक्तियां हो चुकी हैं, वे इस आदेश से प्रभावित नहीं होंगी। वित्त विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पूर्व में जिन पदों पर 30 अक्टूबर तक नियुक्तियां हो चुकी हैं, उन्हें रद्द नहीं माना जाएगा। ज्ञात हो कि पिछले दिनों मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिकारियों से खाली पदों की जानकारी मांगी थी। साल 2028-29 तक भर्ती की प्रक्रिया पूरी होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं वे दिल्ली में व्यापार मेले में शामिल होंगे । यह मेला , भारत मंडपम में चल रहा है। वे आज गुजरात होते हुए वापस आयेंगे।

सपा विधायक की साइकल तक उठा ले गए अफसर

भदोही. उप्र के भदोही में सपा विधायक जाहिद जमाल बेग के आवास पर जिला प्रशासन द्वारा कुर्की कार्रवाई हुई है। विधायक के तीन मंजिला मकान में कुर्की के दौरान तीन वाहनों से विधायक आवास से जब्त सामान को ले जाया गया। पुलिस की टीम द्वारा कुर्की के दौरान तख्त, साइकिल, मेज, कुर्सी, इन्वर्टर, पंखे, घड़ी, बर्तन आदि सामान तक जब्त कर ले गई। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। 8 सितंबर को भदोही में सपा विधायक जाहिद जमाल बेग के तीन मंजिला मकान में नाबालिग नौकरानी ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने विधायक के घर से एक और नाबालिग नौकरानी को मुक्त कराया था तथा विधायक, पत्नी व बेटे के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य केस में मुकदमा दर्ज किया था।

डीयू की स्टूडेंट हैं श्रीलंका की नई पीएम

नई दिल्ली. एजेंसी

श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या की ताजपोशी से भारत का भी सीधा रिश्ता जुड रहा है। अमरसूर्या श्रीलंका में प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने वाली तीसरी महिला हैं। मगर राजनाति में कदम रखने से पहले वह श्रीलंका की ओपन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रह चुकी हैं और उन्होंने भारत से अपनी पढाई पूरी की है। उनकी एजुकेशन को देखते हुए राजनीति के साथ-साथ उन्हें उनकी शैक्षणिक योग्यता के लिए भी जाना जाता है। अमरसूर्या की उम्र 54 वर्ष है.

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से ली। 88-89 में जब श्रीलंका में तमिल आंदोलन को लेकर हालात हिंसक हो गए थे व स्कूल, कॉलेज बंद हो गए तब हरिनी अमरसूर्या आगे की पढ़ाई के लिए भारत आ गईं। उन्होंने 1991 से 1994 तक दिल्ली विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। चर्चित फिल्ममेकर इम्तियाज अली और पत्रकार अर्नब गोस्वामी उनके बैचमेट थे।

213 करोड़ के जुर्माने के खिलाफ अपील करेगा मेटा

नईदिल्ली। प्रतिस्पर्धा आयोग की ओर से 213 करोड़ रुपये का जुर्माना और प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ मेटा ने अपील का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस फैसले असहमत है तथा इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने कल वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था तथा वाट्सएप को पांच साल की अवधि के लिए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए मेटा के स्वामित्व वाले अन्य एप्लिकेशन के साथ उपयोगकर्ता डेटा साझा करने से परहेज करने को कहा।

मेट्रो एंकर | सेटेलाइट के मूविंग टाइम के बाद जलाई जा रही पराली

सेटेलाइट को चकमा दे रहे पराली जलाने वाले किसान!

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी दिल्ली इस वक्त गैस चैंबर बनी हुई है। लेकिन आंकडे और प्रदूषण के इस स्तर से वैज्ञानिक चकित हैं। दरअसल, सरकारी आंकडा कहता है कि दिल्ली के आसपास व पंजाब हरियाणा में पराली जलाने की घटना कम हुई हैं। फिर एनसीआर और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा तक कैसे पहुंचा? माना जा रहा है कि किसानों ने सेटेलाइट निगरानी को भी धता बता दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसानों ने पराली जलाने के समय में बदलाव किया है ताकि सैटेलाइट के जरिए उनकी एक्टिविटी का पता न लगाया जा सके। हाल में इस संबंध में एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है, यह दावा नासा वैज्ञानिक हीरेन जेठवा के विश्लेषण पर आधारित है। नासा वैज्ञानिक जेठवा ने सोशल मीडिया पर अपना एनालिसिस शेयर किया है। उन्होंने लिखा, क्या उत्तर-पश्चिम भारत और पाकिस्तान के किसान सैटेलाइट के मूविंग टाइम पर पराली जलाने से बच रहे हैं? सैटेलाइट डेटा से दोपहर बाद के दौरान धुएं के गुबार देखे गए हैं। इस फैक्ट की जमीनी हकीकत की जांच की जानी चाहिए। जेठवा का कहना है कि नासा और एनओएए सैटेलाइट दोपहर 1.30 से 2 बजे के बीच भारत और पाकिस्तान के ऊपर से गुजरते हैं।

किसान संभवतः इस समय के बाद पराली जला रहे हैं। जेठवा ने साउथ कोरिया के एक सेटेलाइट के डेटा का हवाला देते हुए कहा कि यह सैटेलाइट हर 10 मिनट पर डेटा रिकॉर्ड करता है और उसमें दोपहर बाद के समय में आग जलने की घटनाएं ज्यादा देखी गई हैं। इधर आंकड़ों की मानें तो पंजाब और हरियाणा में इस साल पराली जलाने की घटनाओं में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 15 सितंबर से 17 नवंबर 2024 तक पंजाब में केवल 8,404 पराली जलाने की घटनाएं रिपोर्ट हुई, जो पिछले साल इसी अवधि में 33,082 थीं। हरियाणा में यह संख्या 2,031 से घटकर 1,082 हो गई।

एरोसोल का लेवल स्थिर क्यों?

इसके बावजूद, वायुमंडल में एरोसोल का लेवल (जो प्रदूषण का मुख्य कारण है) पिछले छह-सात वर्षों से स्थिर बना हुआ है। ऐसे में सवाल है कि अगर पराली जलाने की घटनाओं में 80-90 फीसद कमी आई तो एरोसोल का स्तर क्यों नहीं घटा? पंजाब और हरियाणा में भले ही घटनाएं घटी हों, लेकिन उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं. इससे स्पष्ट होता है कि समस्या केवल कुछ राज्यों तक सीमित नहीं है और इसका प्रभाव व्यापक है।

तिब्बत मार्केट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीटी नगर में ठंड का मौसम आते ही तिब्बत मार्केट लगना हुए शुरू। लोग खरीदी करने लगे हैं।

रेल्वे स्टेशन पर चैकिंग सख्त, सवा दो करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली

मगर यात्रियों की शिकायतों की संख्या भी बढ़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के रेल्वे स्टेशनों पर नियमित टिकट चेकिंग में जांचदल ने बिना टिकट, अनुचित टिकट एवं बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सघन जांच सवा करोड से ज्यादा का जुर्माना वसूल किया है। टिकट जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के 21,833 मामले पकड़े गए। इसी तरह अनियमित टिकट यात्रियों के 20,396 मामले पकड़े गए, जिनसे किराया एवं बतौर जुर्माना सहित 98,36,625 रुपये वसूल किया गया। जबकि बिना बुक कराए सामान के साथ यात्रा करने के 315 मामले पकड़े गए, जिनसे 62,630 रुपये वसूला गया।

इस प्रकार 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक की गई टिकट जांच के दौरान कुल 42,544 मामले से रेलवे ने 2,29,57,700 रुपये वसूला किया। दूसरी तरफ भोपाल रेल मंडल में यात्रियों की शिकायतों की संख्या भी बढ रही है। हर महीने रेलवे को ज्यादा शिकायत आ रही हैं। इस शिकायतों के समाधान के लिए रेलवे ने खाका तैयार किया है, जहां से 47 मिनट

में शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है। बताया जाता है कि भोपाल रेल मंडल के 17 जून से 31 अक्टूबर तक वार रूम में कुल 15338 शिकायतें आयी हैं। हालांकि रेलवे का दावा है कि सभी शिकायतों को समाधान किया गया है, लेकिन कई यात्रियों को इसकी सुविधाएं नहीं मिली है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक भोपाल रेल मंडल रेल मदद पोर्टल पर कुल 41911 शिकायतें आयी थी।

बताया जाता है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली छह महीने में अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक भोपाल रेल मंडल को 22,660 शिकायतें मिली। रेल्वे के शिकायत समाधान कक्ष में वाणिज्य, विद्युत, सीएंडडब्ल्यू, मेडिकल, रेल सुरक्षा बल इत्यादि 24 घंटे कार्यरत हैं।

स्टेशन के आसपास भारी गंदगी

जानकारी के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर रेलवे से समन्वय कर रेलवे स्टेशन के आसपास पसरी गंदगी को भी हटाया जाएगा। दरअसल हाल में निगमायुक्त हरेंद्र नारायन जब बैरागढ़ रेलवे स्टेशन के पास सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करते हुए पहुंचे तो उन्होंने स्टेशन के आसपास गंदगी देखी। यह देखकर निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह रेलवे अधिकारियों से समन्वय कर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें।

ब्लैक स्पॉट से लेकर पार्किंग, जाम के प्वॉइंट पर तैयार होगा प्रजेंटेशन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में जाम और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने ट्रैफिक सुधार व प्रबंधन प्लान पर काम शुरू किया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक की। शहर में ट्रैफिक समस्या की स्थिति, इसके निराकरण के उपाय और संबंधित एजेंसियों के अब तक प्लान को कंपाइल करने, स्पॉट निरीक्षण कर स्थिति देखने व प्रजेंटेशन बनाने टीम गठित की है। एडीएम प्रकाश नायक को इसका नोडल अधिकारी बनाया है। सात दिन में ये कलेक्टर के सामने ट्रैफिक व्यवस्था सुधार व प्रबंधन को लेकर प्लान का प्रजेंटेशन देंगे। इसके बाद इसमें एक्सपर्ट की राय के साथ सड़क सुरक्षा समिति से मंजूर कराया जाएगा। कलेक्टर ने शहर से जुड़ी छह एजेंसियों का संयुक्त दल बनाकर ट्रैफिक समस्या का गहन सर्वेक्षण कर योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। इस दल में निगम के अधिकारी, प्रशासन के अधिकारी, आरटीओ, डीसीपी ट्रैफिक, पीडब्ल्यूडी इंजीनियर, स्मार्ट सिटी के अफसरों को शामिल किया गया है।

पार्किंग की जरूरत: एमपी नगर क्षेत्र में पार्किंग की भारी कमी है, जहां बड़ी संख्या में वाहन खड़े रहते हैं। बाजार और व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे न्यू मार्केट, दस नंबर मार्केट, में भी व्यवस्थित पार्किंग की आवश्यकता है।

ब्लैक स्पॉट: नर्मदापुरम रोड- बागसेवनिया और बीयू चौराहा।

बैरागढ़ रोड- संत जी कुटिया और हलालपुर बस स्टैंड।

बाणगंगा और बावड़ियाकलां रोड- बढ़ते ट्रैफिक और खराब सड़क संरचना के कारण यहां ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं।

साधु वासवानी कॉलेज में बौध्दिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला का आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में बॉटनी एवं बायोटेक विभाग द्वारा ''बौध्दिक संपदा अधिकार'' विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान डॉ प्रोफेसर एचके गर्ग प्राध्यापक उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल द्वारा दिया गया। गर्ग द्वारा बौध्दिक संपदा अधिकारों से संबंधित सभी विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पेटेंट, कॉपीराईट, प्लेगेटिएम, ट्रेड मार्क के कानून एवं नियमों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ ऐ.के. सिंह महाविद्यालय के निर्देशक, विभागाध्यक्ष डॉ मधुलिका सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुप्रिया दास द्वारा किया गया।

सिंधी कवि-गज़ल लेखन कार्यशाला इंदौर में होगी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिन्धी साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश द्वारा दिसंबर में प्रदेश के उभरते सिन्धी कवि एवं गजल लिखने वालों के लिए कार्यशाला का आयोजन इंदौर में किया जाएगा। अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य नवोदित सिन्धी साहित्यकारों को अनुभवी तथा वरिष्ठ कवियों के सानिध्य में काव्य तथा लेखन की बारीकियों से परिचित कराते हुए उनकी लेखनी को निखारना है। कार्यशाला में शामिल होने के इच्छुक कवि पंजीयन के लिए academysindhi@gmail.com पर अपना नाम, पूरा पता और संपर्क सूत्र सहित आवेदन भेजकर पंजीयन करवा सकते हैं, पंजीयन की अंतिम तिथि 25 नवम्बर है।

सुभाष मेट्रो स्टेशन से पुल बोगदा के बीच 10 मी. ऊंची होगी लाइन

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में ओरेंज लाइन के दूसरे भाग में अब सुभाष मेट्रो स्टेशन से आगे काम बढ़ेगा। अभी मेट्रो लाइन जमीन से 11 मीटर ऊंची है, लेकिन इससे आगे पुल बोगदा पर रेलवे लाइन पार करने में ये करीब 22 मीटर ऊंचाई तक होगी। यानी लगभग दोगुना। इसके नीचे से भदभदा से रत्नागिरी की ब्ल्यू लाइन के लिए जगह बनेगी। तीन रेलवे लाइन का ट्रांजिट सेक्शन तैयार होगा। करीब 200 मीटर में यात्रियों को एक अलग तरह का अनुभव मिलेगा। अगले दो माह में इसका काम शुरू होगा।

मेट्रो एंकर

39वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजिल सभा का आयोजन

समाजसेवी प्रेमचंद तेजवानी को याद किया समाजसेवियों ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आजीवन संत हिरदाराम नगर यथाशक्ति विश्रामघाट समिति के अध्यक्ष रहे, समाजसेवी प्रेमचंद तेजवानी की 39वीं पुण्य तिथि पर अनेक संगठनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। कोडोमल मूलचंदानी सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रेमचंद तेजवानी को सफल कारोबारी के साथ सच्चा समाज सेवी भी बताया। जिन्होंने आजीवन गरीब एवं विधवा महिलाओं को प्रतिमाह गुजारे के लिए नकद राशि खुद भी दी और सरकार से भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलवाने में मदद की। वक्ताओं ने वार्ड 4 स्थित कोडोमल तेजवानी सभागार के निर्माण, विश्रामघाट के रखरखाव, बर्तन कारोबार को ऊंचाईयों तक पहुंचाने में स्व. प्रेमचंद तेजवानी की सेवाओं को उल्लेखनीय बताया।

धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति: इस मौके पर विक्रमादित्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष व संयोजक किशोर तेजवानी ने कहा कि प्रेमचंद तेजवानी धार्मिक प्रवृति के थे ओर नियमित रूप से गीता एवं सुखमनी का पाठ किया करते थे। उनके बीजारोपित संस्कारों के कारण ही आज भी तेजवानी परिवार अनेक सेवा कार्यो को अंजाम देने में जुटा हुआ है। यहां दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आरंभ में प्रेमचंद तेजवानी के छाया चित्र पर सभी ने माल्यार्पण किया।

यह रहे मौजूद: वरिठ कांग्रेसी नेता एवं अभा सिंधी समाज के राट्रीय अध्यक्ष त्रिलोक दीपानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चादंवानी, पार्षद शोक मारन, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, मुस्कान क्लब के अध्यक्ष मनोहर वीधानी, समाज सेवी गुलाब जेठानी, तुलसी जोतवानी, लखमीचंद नरियानी सिंधी पंचायत महासचिव नंदलाल दादलानी, सह कोषाध्यक्ष माधवदास पारदासानी, घनयाम लालवानी, जेठानंद मूलचंदानी, लीलाधर पवार, प्रेम पठानी, जानीमल भारानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। संचालन सुरेश जसवानी ने तथा आभार प्रदर्शन किशोर तेजवानी ने माना।

अनुयायियों की मांग आशा राम बापू की रिहाई हो

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

युवा सिंधी के संस्थापक जयराम नंदवानी ने बताया कि 14 वर्षों जेल में बंद संत आशाराम बापू की जमानत व पेरोल नहीं हो रही है। अन्य आरोपियों की जमानत एवं पैराले हो रही है तो संत आशाराम बापू की क्यों नहीं? रामरहीम, हनीप्रीत की हर छ माह में पेरोल आसानी से हो जाती है। जबकि उन पर देशद्रोह व जान माल का नुकसान होने जैसे आरोपी है। हनी प्रीत की जमानत हो गई है। संत आशाराम बापू की आयु को देखते हुए उनकी पेरोल या जमानत शीघ्र अतिशीघ्र होना अति आवश्यक है। सिंधी समाज इसके विरोध में रामलीला मैदान दिल्ली में अंसन एवं आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएगा। यदि इस पर सहानुभूति पूर्वक विचार एक माह के अंदर संत आशाराम बापू की अन्य आरोपियों की तरह पेरोल-जमानत करवाई जाए।

डिस्कॉम कंट्रोल सेंटर का एसीएस ने निरीक्षण किया

बिजली कंपनी के अफसरों से एसीएस बोले– घाटे से उबारो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एसीएस नीरज मंडलोई ने ऊर्जा विभाग में नए सिरे से काम शुरू कर दिया है। उनका फोकस बिजली कंपनियों को घाटे से उभारना है, जिसके लिए वे सोमवार को गोविंदपुरा स्थित डिस्कॉम कंट्रोल सेंटर गए थे। वहीं पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कामों की समीक्षा की। जिसमें पाया कि कंपनियां घाटे में है।

बिजली चोरी थम नहीं रही है। जिनती बिजली ग्रिड से खरीदी जा रही है, उसमें से 20 फीसद की चोरी हो जाती है। राजस्व की अपेक्षा के अनुरूप आवक नहीं हो रही है। इन सभी स्थितियों पर एसीएस नीरज मंडलोई ने कहा कि कंपनी को घाटे से उभारो, बिजली चोरी रोका। खाली समीक्षा करने से काम नहीं चलेगा।

अंचल में बिजली कम न पड़े, उपभोक्ताओं की परेशानी कम करें

इस दौरान एसीएस नीरज मंडलोई ने कहा किउपभोक्ता संतुष्टि के प्रकरणों को भी देखा। जिसके बाद अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी हालत में उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सीएम हेल्पलाइन जैसे प्लेटफार्मों पर शिकायत करने की नौबत न आए, ऐसा माहौल पैदा किया जाए। यह तभी होगा, जब स्थानीय स्तर पर उन्हें सुना जाएगा और उनकी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। रबी सीजन शुरू हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कट और लो वोल्टेज की शिकायतें आम होने लगी है। यह बात जब एसीएस के संज्ञान में आई तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए।

करोड़ों रुपए की सब्सिडी से मुक्ति पाना चाहती है सरकार

उल्लेखनीय है कि नीरज मंडल इसके पहले शहरी विकास एवं आवास विभाग देख रहे थे, हाल में सरकार ने उन्हें ऊर्जा की जिम्मेदारी दी है। सरकार की इस विभाग पर पैनी नजर है, सरकार यहां हर साल कंपनियों को करोड़ों रुपये की सब्सिडी दे रही है, जिसकी वजह से दूसरे क्षेत्रों पर कहीं न कहीं असर पड़ रहा है ।

इसलिए सब्सिडी के भार को सरकार कम करना चाहती है, जिसके लिए नवकरणीय उर्जा क्षेत्र पर सरकार ने ध्यान बढ़ाया है। उधर केंद्र से मिल रही मदद के बावजूद विभाग बिजली चोरी रोकने के तंत्र को मजबूत नहीं कर पाया है। इन सभी कामों को करने के लिए सरकार विभागों से उम्मीद कर रही है। उन्होंने सभी से काम पर जोर देने की बात कही है।

नियम को लागू करने के लिए संशोधन विधेयक का प्रारूप हुआ तैयार, आने वाले शीतकालीन सत्र रखने की तैयारी

माशिमं की बोर्ड परीक्षा में नकल पर लगेगी लगाम, अब मोबाइल मिला तो जेल के साथ जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 2025 में होने वाली 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी, 2025 से शुरू होगी। इस बार परीक्षा में सभी के मोबाइल पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने के साथ ही सजा और जुर्माना लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नियमों में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसके अनुसार, संशोधित अधिनियम के तहत 10 साल की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित है। यह नियम भारत सरकार के सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-2024 के आधार पर तैयार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, इस नियम को लागू करने के लिए संशोधन विधेयक का प्रारुप तैयार किया है। इसे 16 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। स्वीकृति मिलने पर यह नियम फरवरी 2025 से होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में लागू होंगे। यह नियम लागू होने पर इस बार परीक्षा केंद्र में प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए केंद्राध्यक्ष और स्टाफ पर भी मोबाइल ले जाने की पाबंदी होगी। यदि कोई भी केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष और पर्यवेक्षक मोबाइल का उपयोग करते पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मामले में संबंधित थाना क्षेत्र में प्रकरण दर्ज करवाया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का जन्मदिन मनाया

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का जन्मदिन छिंदवाड़ा में बड़े समारोह के रूप में मना। कई कांग्रेस नेता बधाई देने पहुंचे। शाम को कुमार विश्वास समेत कई कवियों की मौजूदगी में कवि सम्मेनल हुआ। भोपाल में भी पीसीसी में केक काटा गया।

चयनित सहायक संचालक के पदस्थापना आदेश किए जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा सेवा में चयनित 17 सहायक संचालकों के पदस्थापना आदेश जारी किये हैं। इन सहायक संचालकों को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया है। इन सहायक संचालकों को प्रशिक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, संकुल केन्द्र शाला और जिला शिक्षा केन्द्र की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जायेगी।

एक वर्ष में रोजगार के लिए कई रोडमैप नहीं रख सकी भाजपा की सरकार: पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उठाया मुद्दा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मप्र में भाजपा और उसके नेता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो मुद्छे उठा रहे हैं और जिन मुद्दों पर चर्चा हो रही है, यह विषय जनता और जीवन को स्पर्ष नहीं करते हैं। महंगाई मुंह खोले खड़ी है, जो मध्यमवर्गीय और उससे नीचे के सभी तबकों में बहुत बड़ी आर्थिक परेषानियां खड़ी कर रही है। मजदूर तबका बड़ी मुष्किल से एक् वक्त की रोटी खा पा रहा है। पटवारी ने कहा कि प्रदेष की सरकार को एक वर्ष का समय होने जा रहा है, किंतु बेरोजगारी के मसले पर एक सरकार ने कोई रोडमेप नहीं रखा है। सरकारी नौकरियों के लिए बड़े-बड़ विज्ञापन तो छपते हैं, हजारों षिक्षित नौजवान आवेदन भी करते हैं लेकिन न उन्हें इंटरव्यु के लिए बुलाया जाता है और ना नही उनकी लिखिल परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। विगत वर्ष व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा षिक्षकों की भर्ती हेतु षिक्षक पात्रता चयन परीक्षा आयोजित की गई थी, परीक्षार्थी परिणाम की आस लगाये बैठे हैं, लेकिन आज तक उस परीक्षा का कोई परिणाम घोषित नहीं किया गया। ऐसी अनेकों परीक्षाएं हैं, जिससे युवाओं के भविष्य को रौंदा जा रहा है।

पटवारी ने कहा कि प्रदेष के कर्मचारियों में भी बहुत घुटन, बैचैनी, आक्रोष और असुरक्षा व्याप्त है। अनेक अवसरों पर न्याय की याचना करने वाले स्थायी और अस्थायी कर्मचारियों को न्याय देने की बजाय उन्हें अमानवीय तरीके से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया, उनकी कोई बात तक नहीं सुनी गई।

कैंपस के भगवाकरण की कोशिश: एनएसयूआई

भोपाल। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं की नियुक्तियों में गंभीर अनियमितताओं और धांधलियों का आरोप लगाया और कहा कि भारतीय जनता पार्टीऔर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने लोगों को उपकृत करने के लिए विश्वविद्यालयों में कुलगुरु जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया जा रहा है, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने बताया कि हाल ही में, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने राज्य के 53 निजी विश्वविद्यालयों में से 32 विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं की नियुक्तियों को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (तष्ट) के मानकों के विपरीत इन नियुक्तियों के कारण यह निर्णय लिया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उच्च शिक्षा में मानकों और योग्यताओं की अवहेलना की जा रही है।

यंग थिंकर्स फोरम का आयोजन 28, 29 दिसंबर को जबलपुर में

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सोमवार को यंग थिंकर्स फोरम द्वारा प्री-कान्क्लेव का आयोजन किया गया। बिशनखेड़ी स्थित माखनपुरम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में फोरम के संस्थापक आशुतोष सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को फोरम की गतिविधियों एवं जबलपुर में अगले माह 28, 29 दिसंबर को होने वाले आयोजन की जानकारी दी। वहीं मुख्य वक्ता अभिषेक शर्मा ने इंडिया इन द बैटल ऑफ नेरेटिव्स विषय पर विद्यार्थियों को भारत एवं इसकी विशेषताओं के बारे में ओजस्वी एवं रोचक अंदाज में बताया। संबोधन के बीच-बीच में शर्मा एवं ठाकुर ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए एवं उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की डीन (अकादमिक) प्रो.(डॉ.) पी. शशिकला, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

कोदो–कुटकी की समर्थन खरीदी का पता नहीं, 10 हाथियों की मौत के बाद व्यापारी भी दाम गिराकर खरीद रहे!

– प्रदेश भर में कोदो–कुटकी की खेती करने वाले किसान परेशान

– सबसे ज्यादा असर आदिवासी किसानों पर, यही करते हैं बड़े क्षेत्र में खेती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोदो–कुटकी की फसल खाने से 10 हाथियों की मौत की कहानी ने मप्र में नया संकट खड़ा कर दिया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे जिलों में व्यापारियों ने उक्त् अनाज की खरीदी से हाथ खींच लिए है। बाकी जिलों में औने–पौने दामों में खरीदी हो रही है। उधर समर्थन मूल्य पर जोर–शोर से खरीदी करने का दावा करने वाली सरकार ने अब तक खरीदी के इंतजाम नहीं किए। किसान परेशान है। खेती की लागत भी नहीं निकल पा रही है। जबकि पूर्व में उक्त् अनाज की कीमत और मांग दोनों अच्छी थी। कई बार तो मांग की पूर्ति नहीं हो पाती थी।

दरअसल हाथियों की मौत को लेकर अधिकारी पहले दिन से कह रहे थे कि कोदो–कुटकी की विषाक्तता इसकी वजह हो सकती है। तीन लैबों में जांच कराई तो उसमें भी विषाक्तता ही आई लेकिन वह कोदो–कुटकी की वजह से ही आई, इसका स्पष्ट उल्लेख उक्त रिपोर्टों में भी नहीं आया। लेकिन अधिकारी कोदो–कुटकी को ही वजह बताते रहे।

हाथियों की मौत पर अधिकारियों द्वारा कोदो–कुटकी पर पैदा किए गए संदेह से पूरे प्रदेश में यह बात फैल गई कि कोदो–कुटकी खतरनाक होता है जान भी ले सकता है। जिसके बाद इसे स्वतः नकारना शुरू कर दिया गया।

29 से 31 अक्टूबर के बीच गई हाथियों की जान

प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की मौत 29 से 31 अक्टूबर के बीच हुई थी। पहले दिन 4 हाथी मरे थे, उसके बाद 6 और मर गए थे। हाथी ऐसे गिर रहे थे, जैसे उन्हें किसी ने बड़ी मात्रा में जहरीला पदार्थ दे दिया हो। तभी से अधिकारियों का कहना था कि हाथियों ने फंगस लगी कोदो-कुटकी की फसल खा ली, जिसके कारण मौत हुई।

दूसरे वन्यजीवों ने खाई फसल, उनकी मौत नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि बांधवगढ़ के जिस इलाके में हाथियों की मौत कोदो–कुटकी खाकर होना बताई गई, उसी क्षेत्र में अनगिनत हिरण, चीतल, सांभर, बंदर समेत दूसरे वन्यप्राणियों का आना–जाना लगा रहता है। वे भी कोदो–कुटकी की फसल खाते थे लेकिन उनमें से किसी भी मौत नहीं हुई। वहीं फसल मालिक किसान दावा कर रहे हैं कि हाथियों की मौत से पहले कई बार उनके मवेशी भी उसी फसल को खा चुके थे लेकिन मौत नहीं हुई। छत्तीसगढ़ में आदिवासी किसान बड़े स्तर पर कोदो-कुटकी की फसल ले रहे, उसे काटकर खेत में छोड़ देते हैं। कई बार हाथी ही नहीं, दूसरे वन्यप्राणी भी खा चुके, पर कभी मौत नहीं हुई। उक्त फसल की खेती वर्षों से हो रही है, किसान दाने निकालने के बाद तने को जमा कर देते हैं, जिसमें फंगस लग जाती है और उसी तने को मवेशियों को खिलाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह चलन आज भी है। इन तनों के समूहों को प्याल के नाम से जाना चाहता है। लेकिन कभी घटनाएं नहीं हुई।

संपादकीय

हादसा सबक भी हो

उत्तरप्रदेश के झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में जैसा हादसा हुआ, अगर वह सरकार के लिए सिर्फ पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और जांच या कार्रवाई तक सीमित रहने का मामला बन कर रह जाता है, तो यह एक तरह से अगले हादसे का इंतजार करने से ज्यादा नहीं होगा। क्योंकि इस हादसे के पीछे भी कई हादसों की कतारें हैं और हर बार यही लगता है कि पिछले हादसों से सबक नहीं लिया जाता। जबकि ऐसे इंतजाम किए जाने चाहिये कि भविष्य में फिर उस तरह के हालात से बचा जा सके। मगर लगता है कि सरकारों ने एक तरह से यह प्रथा बनाई हुई है कि हादसे में जब तक कई लोगों की जान न चली जाए और वह मुद्दा तूल न पकड़ ले, तब तक उसकी नींद नहीं खुलेगी। झांसी में अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष यानी एनआइसीयू में भीषण आग में दस नवजात की जलकर मौत हो गई। एनआइसीयू वार्ड में जिस वक्त आग लगी, तब उसमें चौवन बच्चे भर्ती थे। मगर अस्पताल की आपात व्यवस्था लाचार पड़ी रही और कुछ अन्य लोगों ने अपनी जान पर जोखिम उठा कर कई बच्चों को बचाया। अगर इन कुछ लोगों ने हिम्मत नहीं की होती तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बच्चे जिंदा बच पाते। आखिर ऐसी स्थिति कैसे बनी हुई थी कि अस्पताल के सबसे संवेदनशील कक्ष में भी इतने बड़े हादसे को रोका नहीं जा सका। झांसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का बयान आया कि घटना अस्पताल के आक्सीजन कंसंट्रेटर में आग लगने की वजह से हुई। शार्ट सर्किट, अग्नि सुरक्षा के नियमों का धता बताने और आग बुझाने वाले यंत्र पुराने होने की खबरें भी आईं। अब रस्मी तौर पर इन सबकी त्रि-स्तरीय जांच कराने की सरकारी घोषणा कर दी गई है। मृत नवजातों के परिजनों को पांच लाख रुपए और गंभीर घायलों को पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। लेकिन ऐसी तमाम घटनाएं गवाह हैं कि इस तरह की जांच के नतीजे क्या आते हैं, किसे जिम्मेदार ठहराया जाता है, किसके खिलाफ कार्रवाई होती है और उसके बाद ऐसे हादसों को पूरी तरह रोकने और बचाव के लिए क्या किया जाता है, यह जनता के सामने शायद ही कभी आ पाता है। मुआवजा ऐसी लापरवाहियों का शिकार होकर किसी की मौत से उठे सवालों का जवाब है। ऐसा नहीं है कि इस तरह की यह कोई पहली घटना है। इससे पहले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज में सन 2017 में आक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से तिरसठ बच्चों की जान चली गई थी।? फिर करीब दो वर्ष पहले भोपाल में भी ऐसी ही घटना में कई नवजात शिशुओं की जान गई थी। इसी वर्ष मई में दिल्ली के अस्पताल में आग लगने से सात नवजातों की मौत हो गई। जिन अस्पतालों में लोग अपना या अपने बच्चों का इलाज कराने या जान बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं, वहां सिर्फ लापरवाही, बदइंतजामी और कुप्रबंधन की वजह से अ गर ऐसे हादसों में लोगों को जान गंवानी पड़ती है, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है? आग लगने की सभी आशंकाओं को खत्म करने से लेकर बचाव के सभी इंतजाम करने की जिम्मेदारी किसकी है? केवल सब कुछ ठीक होने के दावे से ऐसी आपराधिक लापरवाहियों को ढंका नहीं जा सकता। सवाल है कि ऐसे हादसे कब सबक बनेंगे। देश में चाहे रेल हादसे हो या सड़क हादसे या फिर अस्पताल या लिफ्ट में आग आदि की घटनाएं, हर बार सबक के बजाए दूसरों का दोष ढूंढने में ही पूरा समय जाया होता है।

महायुति या एमवीए? दोनों गठबंधन में हर पार्टी बाकी पांच को क्यों नीचे देखना चाहती हैं

महायुति बनाम महा विकास अघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रमुख मुद्दा है। परत-दर-परत खोलिए आप देखेंगे कि छह की छह पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हैं।

■ डीके सिंह

जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अपने चुनाव अभियान पर निकलने वाले थे, तो उन्हें अपने एक अभियान प्रबंधक से सलाह मिली: 'क्या आपने कभी ऐसा सोचा कि किसी ने आपको मुस्कुराते हुए नहीं देखा? अखबारों और टीवी पर आपकी सभी तस्वीरें गुस्से और क्रोध से भरी हुई हैं. आपको मुस्कुराना और हंसना चाहिए.' ऐसा लगता है कि अजित पवार ने इसे गंभीरता से लिया है. आजकल वे हमेशा मुस्कुराते रहते हैं, हालांकि, हंसी अभी भी नहीं दिखती है. जो व्यक्ति हमेशा सफेद कपड़ों में दिखता रहा है, उसे गुलाबी जैकेट पहनकर आईने के सामने कुछ अजीब लगता होगा. उनकी पार्टी गुलाबी रंग में रंग गई है, जो स्त्रीत्व से जुड़ा रंग है. यह संभावित रूप से खेल बदलने वाली लाडकी बहीण योजना का श्रेय लेने के उनके दावों से मेल खाता है।नवाब मलिक के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र मानखुर्द शिवाजी नगर में प्रचार करना पवार के लिए पहली बार था. मलिक 2014 से एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन अजित पवार कभी भी उनके निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने नहीं आए. पवार कभी भी लोगों के व्यक्ति नहीं रहे. वे हमेशा कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए मौजूद रहते थे. वे हर संभव तरीके से उनकी मदद करते थे, लेकिन वह काम तक सीमित रहता है.

महाराष्ट्र में अजित पवार का नया रूप देखने को मिल रहा है. वे मझे हुए सौदेबाज भी साबित हुए हैं. एनसीपी की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी वडगांवहेरी सीट चाहती थी. उसका कहना था कि मौजूदा एनसीपी विधायक सुनील टिंगरे को पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में पुलिस के काम में कथित हस्तक्षेप के लिए जनता की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

पवार ने वह सीट देने से मना कर दिया. भाजपा, जिसने एनसीपी विधायक नवाब मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से संबंध रखने का आरोप लगाया था, एनसीपी द्वारा उन्हें मानखुर्द शिवाजी नगर से मैदान में उतारने का विरोध कर रही थी. अजित पवार ने कुछ नहीं सुनी. अब भाजपा ने मलिक के लिए प्रचार नहीं करने का फैसला किया है.इस कठिन सौदेबाजी के अंत में पवार को 57 सीटें मिलीं. चुनावों में उनकी पार्टी के स्ट्राइक रेट के बावजूद यह उन्हें ड्राइवर की सीट पर बिठाने के

लिए पर्याप्त नहीं है. महायुति में उनके कई सहयोगी उन्हें राजनीतिक रूप से 'कमज़ोर' मानते हैं. सेना के एक पदाधिकारी ने मुझे बताया कि वे महायुति की कुल सीटों को कम कर सकते हैं. वे सत्तारूढ़ गठबंधन में 'वैचारिक रूप से अनुपयुक्त' भी हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे पर सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति जताई है।अजित पवार खेमा अपनी पार्टी की संभावनाओं को लेकर उत्साहित है. पार्टी के रणनीतिकारों का दावा है कि एनसीपी को 30 से ज़्यादा सीटें मिलने की संभावना है, साथ ही उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी और शिवसेना सरकार बनाती हैं तो यह उन्हें उनके लिए अपरिहार्य बना देगा. भले ही सीटें कम हों और बीजेपी-सेना को सरकार बनाने के लिए उनकी ज़रूरत न हो, लेकिन अजित पवार के एक वफादार ने मुझे बताया कि 'वे उन्हें नहीं छोड़ सकते और पूरी शुगर बेल्ट को अगली सरकार में प्रतिनिधित्व से वंचित नहीं छोड़ सकते।' एनसीपी नेताओं को कम से कम यही उम्मीद है. उनके अनुसार, सबसे अच्छा परिदृश्य तब होगा जब बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना औसत से कम प्रदर्शन करें और अगली सरकार बनाने के लिए उन्हें एनसीपी की ज़रूरत हो।यह हमें इस महाराष्ट्र चुनाव के सबसे दिलचस्प पहलू पर ले आता है. दो प्रमुख गठबंधन हैं जिनमें से प्रत्येक में तीन घटक हैं. पहली नज़र में महायुति बनाम महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच का संघर्ष लगता है. थोड़ा आगे बढ़िए और आप देखेंगे कि इन छह में से प्रत्येक अन्य पांच के मुकाबले कैसे खड़े हैं।

सेना के नेताओं से पूछिए. वे भाजपा की फिर से अपना मुख्यमंत्री बनाने की महत्वाकांक्षा को जानते हैं. भाजपा 148 सीटों पर चुनाव लड़ रही है. अगर वह 90 या 100 के आसपास भी जीतती है, तो इस बार वे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने वाले नहीं हैं. एकनाथ शिंदे ने खुद को एक राजनेता और प्रशासक के रूप में भाजपा की अपेक्षा से कहीं बेहतर साबित किया है, जब भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठित कुर्सी सौंपी थी। शिंदे का एक और कार्यकाल आने वाले लंबे समय तक बीजेपी को पीछे कर देगा – ऐसा कुछ जो उसने 2014 तक किया. भाजपा के लिए यह काफी सरल है. दो शिवसेना और दो एनसीपी में से एक-एक को अपने पक्ष में कर लो और यह केवल समय की बात है कि आप अन्य दो को पूरी तरह से नहीं तो काफी हद तक खत्म कर दो. भाजपा को बस 60 प्रतिशत स्ट्राइक रेट चाहिए और वह फिर से एक मजबूत स्थिति में आ जाएगी।

इसलिए शिंदे को तय करना होगा कि उनकी पार्टी 80 सीटों में से अधिकतम सीटें जीत जाए, ताकि वह भाजपा के लिए अपरिहार्य बन जाएं. भले ही भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे, लेकिन शिवसेना की अपरिहार्यता शिंदे को सीएम की कुर्सी पर फिर से कब्ज़ा करने के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी. फिर वे दूसरी शिवसेना को खत्म करने और अपनी विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर सकते हैं।अनिवार्य रूप से, यह महायुति के प्रत्येक घटक के हित में है कि दूसरे को कमतर प्रदर्शन करते हुए देखें – एमवीए को कोई भी मौका न देने के लिए पर्याप्त है।अब विपक्षी खेमे पर नज़र डालते हैं. कांग्रेस 102 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, शिवसेना (यूबीटी) 96 और एनसीपी (एसपी) 86 सीटों पर. यह कांग्रेस के लिए सबसे कम है, जिसे 2024 के हरियाणा चुनावों में झटके के बाद महाराष्ट्र में अपने सहयोगियों के आगे झुकना पड़ा. कांग्रेस के इस तरह से झुकने से भाजपा के रणनीतिकार भी हैरान हैं। मुंबई में भाजपा के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने मुझे बताया, 'कांग्रेस को ज़्यादा मुखर होना चाहिए था क्योंकि कांग्रेस के वोटरों के हस्तांतरण की वजह से ही उद्धव की सेना को लोकसभा में नौ सीटें मिली थीं. कांग्रेस ने कम से कम 35 जीतने लायक सीटें उनके (सहयोगियों) सामने छोड़ दीं.' कोई नहीं जानता कि इस सहानुभूति का इस तथ्य से कोई लेना-देना है या नहीं कि पिछले एक दशक में दोनों के बीच सीधे मुकाबले में भाजपा ने कांग्रेस पर बेहतर प्रदर्शन किया है. मौका चूक गए. वैसे भी, भाजपा और कांग्रेस 76 सीटों पर सीधे मुकाबले में हैं, जिनमें से लगभग आधी विदर्भ क्षेत्र में हैं।

अगर उद्धव ठाकरे को फिर से सीएम की कुर्सी पर बैठने की उम्मीद है, तो वह 2019 जैसे नतीजों पर नज़र रखेंगे – शिवसेना 56, एनसीपी 54 और कांग्रेस 44. अन्य दो को भी ऐसी ही उम्मीदें होंगी. वे चाहेंगे कि महायुति खराब प्रदर्शन करे, लेकिन इतना भी खराब नहीं कि एमवीए के तीनों घटक दलों में से किसी को भी संख्या के मामले में कोई महत्वपूर्ण स्थान मिल जाए। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि शरद पवार, जिन्होंने अपनी बेटी सुप्रिया सुले को अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए अपनी पार्टी को विभाजित होने दिया, उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं. सुप्रिया का सीएम बनना इससे बेहतर क्या हो सकता है – 2024 में या कुछ साल बाद? भले ही इसका मतलब किसी समय एनसीपी (एसपी) का कांग्रेस के साथ विलय करने का समझौता हो?

यहां एक और परिदृश्य है. शरद पवार भतीजे के खिलाफ अपनी लड़ाई में विजयी होते हैं, लेकिन एमवीए के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है. क्या होगा अगर महायुति एक पवार को दूसरे से बदलकर उन्हें जुटा ले? इससे चाचा को अपने भतीजे की पार्टी को हमेशा के लिए खत्म करने का मौका भी मिल जाएगा।इसलिए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इतना दिलचस्प है. यह सभी तरह की संभावनाओं से भरा हुआ है।

(साभार : द प्रिंट, यह लेखक के विचार हैं)

पर्यावरण संकट और पहाड़ : आखिर कितना खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना?

■ जयसिंह रावत

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है। यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।

उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236

थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है।

सन् 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है।विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यतः वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं। जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है।

वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजर्ल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं। ब्लैक कार्बन एक प्रकार का कण पदार्थ (पीएम) है जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य कार्बनिक पदार्थों के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर और वातावरण को गर्म करता है और जलवायु को भी प्रभावित करता है। साथ ही यह बर्फ की सतह पर जमा होने पर बर्फ के पिघलने की गति भी बढ़ाता है।

वाहनों से सबसे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है जो कि जीवाश्म ईंधन के दहन से उत्पन्न एक ग्रीनहाउस गैस है। यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली प्राथमिक गैस है। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस एरोसोल के निर्माण और व्यवहार को प्रभावित करती है जिसके गर्म और ठंडे दोनों चरम प्रभाव हो सकते हैं। इसी तरह मीथेन वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरोसोल के निर्माण को जन्म देती है। एरोसोल बादल निर्माण और गुणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पृथ्वी का विकिरण संतुलन प्रभावित होता है और चरम मौसम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे दैवी आपदाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए एरोसोल सांद्रता में परिवर्तन जलवायु प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की भूमिका और जटिल हो जाती है। अब कल्पना की जा सकती है कि वाहनों का रेला किस तरह हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। यद्यपि अब वाहनों के सख्त नियमन से पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण सुधार अधूरे साबित हो रहे हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

वाणी की पवित्रता, मन की, इंद्रियों की, और एक दयालु हृदय की आवश्यकता उस व्यक्ति को होती है जो दिव्य मंच पर उठने की इच्छा रखता है।
-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1824: रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में बाढ़ से दस हजार मरे।
- 1895: फ्रेडरिक ई ब्लेसडेल ने पेंसिल का पेंटेट कराया।
- 1933: स्पेन में महिलाओं को मताधिकार का अधिकार मिला।
- 1951: अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
- 1952: स्पेन यूनेस्को का सदस्य बना।
- 1982: नौवें एशियाई खेल दिल्ली में शुरू।
- 1986: भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू।
- 1977: मिस्र के तत्कालीन राष्ट्रपति अनवर सादात की ऐतिहासिक इजराइल यात्रा।
- 1994: भारत की ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड चुनी गई।
- 1995: कर्णम मल्लेश्वरी ने भारोत्तोलन में विश्व कीर्तिमान बनाया।
- 1997: कल्पना चावला अंतरिक्ष जाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
- 1998: भारत समेत विश्व के कई देशों में लाखों लोग आकाश को देखते हुए निराश हुए, केवल जापान एवं थाईलैंड के निवासी ही दिवाली (उल्का पिंडों का पृथ्वी के वातावरण से टकराकर जलने का नजारा) मना सके।
- 1998: कैंब्रिज स्थित इंटरनेशनल बायोग्राफिकल सेंटर ने भरनाट्यम की प्रख्यात नृत्यांगना कोमला वर्धन को वर्ष 1998 का वूमेन ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए चुना।
- 2000: पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की मां नुसरल भुट्टो को दो वर्ष के कठिन कारावास की सजा।

निशाना

आंकना ना कम !

-कृष्णेन्द्र राय

होने लगे दावे ।
बहने लगी बयार ।।
जीतेगा गठबंधन ।
तय मिलना है प्यार ।।
आंकना ना कम ।
ला रहे सुधार ।।
सजग हो कर उनसे ।
रहना खबरदार ।।
है कोशिश भरपूर ।
एड़ी चोटी ज़ोर ।।
देख कर ये दुर्दशा ।
हुए भावविभोर ।।
देकर एक मौका ।
लें हमको संभाल ।।
वरना होंगे सारे ।
और भी बेहाल ।।

केंद्रीय मंत्री सहित विधायक सांसद होंगे कार्यक्रम में शामिल

ग्राम डोंगरवाड़ा में नव निर्मित भव्य मंदिर में भगवान जगन्नाथ की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 26 नवंबर से..

■ 29 नवंबर को रामजी बाबा मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समीपस्थ ग्राम डोंगरवाड़ा में नव निर्मित भव्य मंदिर में भगवान जगन्नाथ जी प्राण प्रतिष्ठा का समारोह 26 नवंबर से 1 दिसम्बर तक आयोजित होगा. करीब 2 करोड रुपए की लागत से तैयार मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में 30 नवंबर को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा जिला प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, मध्य प्रदेश के शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह,सांसद दर्शन सिंह चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष राधा पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, भाजपा के नेता पीयूष शर्मा, बुधनी नपा अध्यक्ष सुनीता मालवीय तथा ग्राम सरपंच माखनलाल कीर सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे.

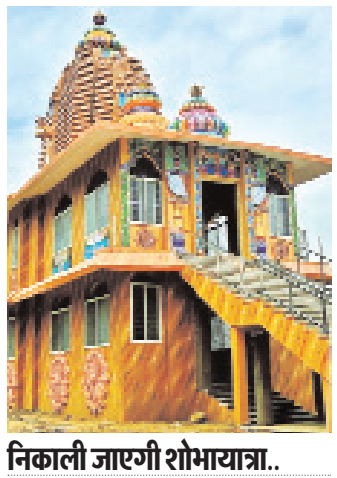

निकाली जाएगी शोभायात्रा..

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान 29 नवंबर को दोपहर 1 बजे से नगर के रामजी बाबा मंदिर से भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो सतरस्ता, जय स्तंभ चौक, हलवाई चौक, सराफा चौक, मोरछली चौक, पांडे नर्सिंग होम के सामने से गांधी प्रतिमा से होते हुए मोरछली चौक, सतरस्ता काली मंदिर, हीरो होंडा चौक से वापस रामजी बाबा मंदिर होते हुए डोंगरवाड़ा पहुंचेगी। यात्रा में भगवान के विग्रह के अतिरिक्त भगवान जगन्नाथ के परम भक्त पदमश्री बलिया बाबाजी विशेष रूप से उपस्थित होंगे। यात्रा में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए चालेंगे।

इस प्रकार होंगे कार्यक्रम

- प्राण प्रतिष्ठा समारोह के प्रथम दिवस 26 नवंबर को दोपहर 3 बजे ज्वारों का रोपण होगा। 4 बजे से राजा का दस विधि स्नान और राज्याभिषेक किया जाएगा।
- 27 नवंबर को सुबह 8 बजे ग्राम डोंगरवाड़ा में कलश यात्रा निकाली जाएगी। उसके बाद मंडप प्रवेश और अग्नि स्थापना के साथ ही हवन प्रारंभ होगा। शाम में भगवान के विग्रह का जलाधिवास होगा।
- 28 नवंबर को सुबह 8 बजे सूर्य और गौ पूजा के बाद हवन प्रारंभ होगा। इसी दिन शाम को प्रभु का अन्नाधिवास होगा।
- 29 नवंबर को हवन होगा। समारोह में प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन होंगे। समारोह में 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक प्रतिदिन भंडारा प्रसादी का कार्यक्रम जारी रहेगा.

संभागायुक्त ने किया सिवनी मालवा टेल की नहरों का निरीक्षण

किसानों की समस्याएं सुनी, टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने के भी दिए निर्देश

■ किसानो ने की टेल एरिया तक पानी न पहुंचने एवं बिजली की अघोषित कटौती की शिकायत

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभागायुक्त के जी तिवारी सोमवार को सिवनी मालवा के विभिन्न ग्रामों में तवा नहर से हो रही सिंचाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सिवनी मालवा के टेल एरिया के ग्राम मुड़िया खेड़ी एवं नाहरकोला खुर्द पहुंचे। उन्होंने तवा नहर से सिंचाई के लिए दी जाने वाली जल प्रदाय की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर टेल एरिया तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचने की स्थिति की जानकारी ली।

संभागायुक्त सबसे पहले ग्राम मुंडिया खेड़ी पहुंचे यहां ग्रामीणों ने बताया कि तवा नहर से सिंचाई के लिए अब तक पानी नहीं पहुंच पाया है। पानी केवल रामपुर एवं गडरिया तक आता है। 12 किलोमीटर में से मात्र 7 किलोमीटर तक पानी आता है और 5 किलोमीटर तक में पानी नहीं आता है गत वर्ष आखरी समय में एक-दो दिन के लिए बहुत मुश्किल से पानी आया था। पानी न पहुंचने के कारण ग्राम पथाडा की भी नहर बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि मुड़िया खेड़ी के जो किसान सक्षम है वह किसान ट्यूबवेल से सिंचाई कर रहे हैं लेकिन जो सक्षम नहीं है वह अब तक पानी के इंतजार में बोनी तक नहीं कर पाए हैं। संभागायुक्त ने बताया कि 8 दिन पूर्व तवा नहर से पानी छोड़ा गया है और टेल एरिया तक पानी नहीं पहुंचा है।

उप स्वास्थ्य केंद्र बना, लेकिन डॉक्टर एवं स्टाफ नहीं

मुड़िया खेडी के किसानों ने बताया की खपरिया ग्राम में उप स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बना है लेकिन डॉक्टर एवं स्टाफ न होने के कारण भवन अनुपयोगी सिद्ध हो रही है और तवा की नहर हर 6 किलोमीटर के बाद टूटी है, उसे सुधारा जाए। संभागायुक्त ने सभी ग्राम वासियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टेल एरिया में पानी पहुंचेगा तब वे स्वयं देखने एक बार गांव में अवश्य आएंगे। इसके बाद संभागायुक्त ग्राम नाहर कोला खुर्द पहुंच कर टेल एरिया पर सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया। बताया गया कि टेल एरिया में अभी पानी नहीं आ रहा है। किसान देवेंद्र राजपूत ने बताया कि हर साल पानी का पैसा जमा किया जाता है, उसके बाद भी अभी तक पानी न आने के कारण बोनी में पिछड रहे हैं। वर्तमान में सक्षम किसान ट्यूवेल से पलेवा कर रहे हैं। लेकिन जो सक्षम नहीं है वह अभी भी नहर से पानी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। मुख्य कार्यपालन यंत्री तवा परियोजना सिवनी मालवा श्रीमती राज्यश्री कटारे ने बताया कि नाहर कोला खुर्द के टेल एरिया में 22 नवंबर तक पानी पहुंच जाएगा। टेल एरिया 30 किलोमीटर लंबी होने के कारण पानी पहुंचने में देरी होती है। श्रीमती कटारे ने बताया कि बनाडा एवं ग्राम पथाडा तक डिफिसेट एरिया को जोड़ा है ताकि बनाडा और पथाडा तक पानी मिल सके। संभागायुक्त ने सभी किसानों एवं ग्रामीणों को अवगत कराया की 22 नवंबर तक तवा नहर का पानी आ जाएगा जो 5 दिसंबर तक आप लोगों को मिलता रहेगा।

उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 22 नवंबर तक पानी पहुंच जाएगा। पहले पानी इसलिए नहीं छोड़ा गया था क्योंकि किसानों के खेत तैयार नहीं थे ग्रामीणों ने मुड़िया खेड़ी की उप नहर को सीमेंटेड करने की मांग की। मौके पर मौजूद किसान मोर्चा के पदाधिकारी शंभू सिंह भाटी, अभिषेक चौहान एवं ग्रामीण मनमोहन पटेल, नरेंद्र सिंह चौहान पथाडा के मनमोहन पटेल एवं ने संभागायुक्त को बताया कि बाबरी माइनर में 7 किलोमीटर तक पानी आया है 5 किलोमीटर तक पानी आना शेष है।

सभी किसानों ने मांग की की बावरिया लाइन माइनर 12 किलोमीटर कच्ची नहर है, उसे पक्की की जाए। सभी ग्रामीणों ने बताया कि बिजली रात्रि 12.00 बजे से सुबह 8.00 बजे तक आ रही है इससे किसानों को रातजगा करना पड़ रहा है। सभी ग्रामीणों ने मांग की बिजली प्रातः 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक दी जाए। किसानों ने बताया की बाबरी रोड पर ओवरलोड डंपर चल रहे हैं जिसके कारण सड़क के टूटने का डर बना हुआ है। ओवरलोड डंपर बंद किए जाएं। किसानों ने बताया कि किसानों को खाद के लिए दो बार लाइन में लगना पड़ता है एक टोकन के लिए, एक खाद के लिए, किसानों ने कहा की टोकन के लिए जब लाइन लगती है तभी उन्हें खाद दे दिया जाए, इससे किसानों को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ेगा।

संभागायुक्त ने सभी मांगों को गंभीरता पूर्वक सुना एवं बताया कि 22 नवंबर तक बावरिया माइनर के शेष 5 किलोमीटर तक के टेल एरिया में पानी पहुंच जाएगा। बावरिया माइनर को पक्की करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। संभागायुक्त ने बाबरी रोड पर ओवर लोड डंपर के बारे में जो शासन के नियम है उन्हीं की अनुरूप डंपर चले इसका पालन कराया जाएगा। उन्होंने खाद के लिए किसानों को दो बार लाइन में लगने की बात को गंभीरता से लेते हुए कहा कि जल्द ही इसका संतोषजनक समाधान किया जाएगा।

सरकार किसानों के लिए नाकाम हो रही साबित

किसानों ने डीएपी खाद के लिए किया चक्का जाम

■ एसडीएम की समझाइश के बाद किसानों ने चक्काजाम समाप्त किया

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा की उपनगरी बानापुरा में नर्मदापुरम हरदा मुख्य मार्ग पर सोमवार की दोपहर 12 बजे खाद ना मिलने से परेशान सैकड़ों किसानों ने चक्का जाम कर दिया उनके समर्थन में कांग्रेस नेताओं भी सड़कों पर उतर आए किसानों ने करीब एक घंटे तक हंगामा किया मामले की सूचना मिलते ही मोके पर तहसीलदार नितिन राय सहित सिवनी मालवा थाने का पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंच गया। जिन्होंने किसानो को समझाईस दी परन्तु किसानों की एक ही मांग थी की पहले खाद की व्यवस्था की जाए तब ही चक्काजाम समाप्त किया जाएगा।

जिसके बाद एसडीएम सरोज सिंह परिहार, एसडीओपी राजू रजक सहित कृषि विभाग के एसएडीओ संजय पाठक ने धरना स्थल पर पहुँच किसानो को समझाने का प्रयास किया। परन्तु किसान मानने को तैयार नहीं हुए किसानो का कहना था की प्रशासन ने किस प्रकार की व्यवस्था बनाई है। किसान रात रात भर लाइन में लग रहा है परन्तु उसको फिर भी खाद नहीं मिल पा रही है।

...ताकि बोनी समय पर हो सके

कांग्रेस नेता अजय पटेल ने बताया कि छोटे किसानों को लगातार हर समय परेशानियों का सामना करना पड़ता है लेकिन इस और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, विधायक, सांसद एवं प्रशासन के आला अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसके चलते छोटे किसानों को देर रात से ही लंबी लाइनों में लगने के बावजूद भी घंटे खड़े रहने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रहा है जिससे उनकी खेती पर बुरा असर पड़ रहा है। इनकी मांग है कि उन्हें शीघ्र से शीघ्र खाद उपलब्ध किया जाए ताकि उनकी गेहूं और चने की बोनी समय पर हो सके।

इसी बीच किसान विकास जाट खाद के लिए एसडीएम के पैरों में गिर गए और खाद देने की मांग करने लगे जिस पर एसडीएम ने उन्हें समझाईस दी की पैरों को न पकड़ें सभी को खाद दी जायेगी।

एसडीएम सरोज परिहार ने कृषि विभाग के डीडीए से चर्चा कर किसानो को बताया की 3 दिनों में खाद दे दी जायेगी। जिस पर कांग्रेस नेता अजय सिंह पटेल ने कहा की हम रोज रोज सड़कों पर नहीं बैठेंगे या तो सभी किसानो की लिस्टिंग कर उन्हें 3 दिनों में खाद का वितरण किया जाए। एसडीएम ने सभी किसानो की लिस्ट बनाने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारीयों को दिए जिस पर किसानो ने चक्काजाम समाप्त किया। आप को बता दें की सिवनी मालवा तहसील में इन दिनों किसानों की खाद की किल्लत दूर होने का नाम ही नहीं ले रही है। लगातार किसान खाद के लिए परेशान होते हुए नजर आ रहे हैं। किसानों को खाद के लिए रविवार रात से ही लंबी कतारो में लगना पड़ा जो सोमवार को खाद की आस लगाए लाइन में खड़े रहे। किसानों को अपनी गेहूं और चने की बोनी करने के लिए डीएपी खाद की जरूरत है जो उसे समय पर खाद नहीं मिलने से किसान बहुत ही परेशान ओर हताश नजर आ रहा है। मजबूरन में किसानों को सड़कों पर बैठकर घंटो चक्का जाम कर खाद की मांग करना पड़ी किसानो की समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता भी किसानों के समर्थन पर सड़कों पर उतर आए और प्रशासन से किसानों को खाद दिलाने की मांग पर अड़े रहे।

एसपी के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई जारी

आठ किलो डोडा चूरा के साथ मादक पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा जिला नर्मदापुरम में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही को निरंतर रखते हुये जिले में वर्ष 2024 में पहली बार डोडा चूरा के तस्कर को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिनांक 14.11.24 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी रज्जन महारिया पिता जमना प्रसाद महारिया उम्र 40 वर्ष निवासी रानीपुर तवानगर के कब्जे से 508 ग्राम गाँजा कीमत 8000रु/- को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 8/20 एनडीपीएस एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया था। इस क्रम को निरंतर रखते हुये से दिनांक 16.11.24 को सूचना प्राप्त हुई कि मो. राहत पिता मो. सईद नि. बजरंग चौक बालागंज नर्मदापुरम अपने घर से डोडा चूरा बेचने का कार्य कर रहा है। सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मो. राहत निवासी बजरंग चौक के घर की घेराबंदी कर घर पर दबिश दी गई। जो मो. राहत पुलिस को देखकर घर के दरवाजे बंद करने लगा। पुलिस द्वारा कार्य कुशलता का उपयोग कर उसके घर मे प्रवेश कर मो. राहत के समक्ष उसके घर की तलाशी तो उसके घर के कमरे मे रखे नीले ड्रम के अंदर बोरी में अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा 8 किलो 200 ग्राम कीमती 24,000/- रु मिला। मो. राहत पिता मो. सईद उम्र 24 वर्ष निवासी बजरंग चौक बालगंज नर्मदापुरम का उक्त कृत्य धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय पाये जाने से आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 999/24 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया । उक्त प्रकरण वर्तमान में विवेचना के अंतर्गत है। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा उक्त डोडा चूरा तस्कर के पास कैसे पहुंचा इस संबंध मे भी पड़ताल की जा रही है। यह भी ज्ञात हो कि आज से 06 माह पूर्व आरोपी मो. राहत के पिता मो. सईद भी अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के चलते जिला हरदा जेल में निरुद्ध रहा.

उक्त कार्यवाही में सौरभ पांडे थाना प्रभारी थाना कोतवाली नर्मदापुरम उप निरीक्षक सुरेश चौहान, आरक्षक राजकुमार झपाटे एवं आरक्षक कपिल विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक विशाल सिंह भदौरिया, प्रधान आरक्षक तुलसीराम, प्रधान आरक्षक संजीव, आरक्षक रवि कुशवाह, आरक्षक जितेंद्र राजपूत, महिला आरक्षक अंजू की भूमिका सराहनीय रही।

तोमर बने एमपी क्रिकेट एसोसिएशन के आजीवन सदस्य

नर्मदापुरम। संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह तोमर को एमपी क्रिकेट एसोसिशन के आजीवन सदस्य बनाए गए हैं. एमपी क्रिकेट एसोसिएशन ने कुल 5 विभिन्न कैटेगरी के सदस्य बनाए हैं। जिसमें नर्मदापुरम क्रिकेट एसोसिएशन के प्रदीप सिंह तोमर को उनके क्रिकेट में दिए गए योगदान को देखते हुए सामान्य श्रेणी में आजीवन सदस्य बनाया गया है। नर्मदापुरम डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के मानसेवी सचिव अनुराग मिश्रा ने बताया कि नर्मदपुराम क्रिकेट के वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी रहे प्रदीप सिंह तोमर ने स्कूल नेशनल, विश्व-विद्यालय स्तर और नर्मदपुराम क्रिकेट एशोसिएशन का लगातार प्राधिनित्व किया। क्रिकेट खेलने के साथ ही ये लगातार क्रिकेट संघ के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके है। 2020 से 2022 तक एन डी सी ए के मानसेवी सचिव भी रहे है एवं वर्तमान में संघ के उपाध्यक्ष हैं।

मेट्रो एंकर धार्मिक आस्था के प्रतीक बांद्राभान मेले में संगीत की मनमोहक प्रस्तुति का आयोजन

कहता है जोकर सारा जमाना.. आधी हकीकत आधा फसाना..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विगत दिवस संपन्न हुए धार्मिक आस्था के प्रतीक बांद्राभान के मेले में शहर के संगीत साधकों के समूह म्यूजिक जोन द्वारा भजनों एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई । जनपद पंचायत द्वारा आयोजित सुरमयी संध्या में म्यूजिक जोन के कलाकारों के द्वारा गाये भजनों एवं गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया । कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ हेमंत सूत्रकार द्वारा सभी कलाकारों और म्यूजिक ज़ोन के गुरु संगीतज्ञ राम परसाई का स्वागत किया गया । कार्यक्रम का आरंभ महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क मनोज चौधरी द्वारा गाए गीत से किया गया। सईद कुरैशी एवं म्यूजिक ज़ोन के मुख्य संस्थापक एवं गायक असीम विश्वास ने भी शानदार भजन प्रस्तुत किए । गीतों की प्रस्तुति में जनपद सीओ हेमंत सूत्रकार ने मुझे इश्क है तुझी से, तुमसे मिलने की तमन्ना है, चांद से पर्दा ,असीम विश्वास ने जिंदगी एक सफर है सुहाना , दिलबर मेरे कब तक मुझे, तेरे चेहरे में वो जादू है के साथ ऋतू कुलश्रेष्ठ के साथ एक युगल गीत दिल दिल है कि मानता नहीं। प्रतीक द्विवेदी ने खामोशियाँ

अहसास है और तू जो नहीं है जैसे शानदार गीत गाकर खूब सराहना प्राप्त की. मुकेश सरदाना ने जादू तेरी नज़र दुनिया हसीनों का मेला , प्रकाश आहुजा ने हाल क्या है दिलों का.. अभिलाष दुबे ने आया रे खिलौने वाला.. हरीश माझी ने कहता है जोकर.. संयम बिल्लोरे ने रात में ख्वाब में वो मुझे सता रही है। मुकेश गढ़वाल ने दिल नशे में चूर है कुमारी रितु कुलश्रेष्ठ ने जाइए आप कहां जाएंगे.. कुमारी सौम्या कौशिक ने मिले हो तुम हमको और क्यों आता है सीने में एवं कार्यक्रम के संचालक कुरैशी ने डम डम डीगा डीगा संसार की हर शय का गीत प्रस्तुत किया । विशेष रूप से म्यूजिक जोन के वरिष्ठ कलाकार नर्मदापुरम के मुकेश की आवाज़ कहे जाने वाले संतोष शर्मा ने कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे जैसे गीतों से श्रोताओं को बांधे रखा। आज से तेरी सारी खुशियां मेरी हो गई पर जमकर बजी ताली ।

इन्होंने लगाए चार चांद

कार्यक्रम का आकर्षण रहे विशेष रूप से अपने गीतों को प्रस्तुति देने वाले डॉक्टर वैभव शर्मा ने आज से तेरी सारी खुशियां मेरी हो गई । तहसीलदार ग्रामीण दिव्यांशु नामदेव ने पुकारता चला हूं में.. सरपंच निटाया राजेश सिंह ठाकुर ने मै शायर तो नहीं और आठ वर्षीय बालक अनय गौर ने तेरा मुझसे है पहले का नाता कोई कार्यक्रम में गाकर चार चंद लगा दिए । कार्यक्रम के अंत में जनपद पंचायत द्वारा म्यूजिक जोन को सम्मान पत्र दिया गया. कार्यक्रम का आभार जनपद सीओ हेमंत सूत्रकार ने किया। कार्यक्रम में कई शासकीय अधिकारी कर्मचारी और भारी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने की सिरोंज जिला बनाओ की मांग, सौंपा ज्ञापन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जन अभियान परिषद से जुड़े मुख्य मंत्री पाठ्यक्रम के छात्र छात्राएं आज सिरोंज जिला बनाओ की मांग को लेकर सिरोंज जिला बनाओ संघठन के रूप में तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंप कर सिरोंज को जिला बनाने की मांग की।

ज्ञापन का वाचन करते हुए बीएस डबल्यू की छात्रा रोशनी सैन ने बताया नवम्बर 1956 के पहले सिरोंज राजस्थान राज्य में जिला था और उसे अपना खोया हुआ हक मिलना चाहिए। विदिशा जिला मुख्यालय से सिरोंज की दूरी 85 किमी है और वहां तक जाने और लौटकर आने में ही व्यक्ति का पूरा दिन टूट जाता है। आम आदमी के लिए ये काफी कष्टदायक होता है। इसी तरह लटेरी तहसील की सीमा पर स्थित कई गांव विदिशा जिला मुख्यालय से 150 किमी दूर पड़ते हैं। उनका विदिशा तक जाना और वापस आना और अधिक पीड़ादायक होता है। सिरोंज की भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि आसपास स्थित लटेरी, शमशाबाद

और कुरवाई तहसील मुख्यालय 40 से 50 किमी के दायरे में आते है। इन तहसीलो के साथ ही आनन्दपुर और पथरिया को भी तहसील बनाया जा सकता है। इस दौरान विष्णु शर्मा, सपना साहू, वर्षा पंथी, मलखान सिंह, बलराम, आरती साहू आदि बीएसडब्ल्यू, एम एस डब्ल्यू के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालयों के युवा विद्यार्थियों से छात्र संघठन की अपील

सिरोंज जिला बनाओ छात्र संघठन के नेतृत्व कर्ता विष्णु शर्मा ने सिरोंज हित में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एन एस यू आई आदि सभी युवा छात्र संघठनों से सिरोंज जिला बनाओ मांग की आवाज बनने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि शहर के शासकीय एलबीएस कॉलेज, केडीबीएम, विवेकानंद कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक ग्लोबल यूनिवर्सिटी के विधार्थियों से उन्हें युवा होने का परिचय देते हुए जनहित में शहर के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आग्रह विधार्थियों से किया है। वहीं रोशनी सैन ने कहा देश की आजादी तक सिरोंज राजस्थान में जिला था मध्य प्रदेश गठन हुआ जिसमें 1956 में सिरोंज को मध्य प्रदेश में तहसील बना दिया। तभी से हमारे बड़े बुजुर्ग सिरोंज को जिला बनाने की मांग करते आए हैं मगर सरकार ने उनकी नहीं सुनी। कुछ ही महीनों में सरकार नवीन जिले बनाने जा रही है अब हम युवाओं के सामने अभी नहीं तो कभी नही की स्थिति निर्मित हो गई। हमें धरना प्रदर्शन अनशन भूखहड़ताल करना पड़े एकजुट होते हुए मैदान आ कर सिरोंज का गौरव पुनः प्राप्त के लिए हमें करना ही होगा। अन्यथा हमारे भाई बहनों की भावी पीढ़ी हमारी तरुणाई को नालत देगी।

शिक्षक स्कूलों में छात्रों से लगवा रहे झाड़ू!

जिनको पढ़ लिख कर बनना था विधायक या अधिकारी, वे मांज रहे स्कूल के बर्तन!

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार को लेकर सरकार और प्रशासनिक मशीनरी लगातार प्रयास कर रही है। शिक्षा में सुधार के लिए कई राज्य स्तर के एवं आई ए एस अधिकारियों को मॉनिटरिंग के लिए लगाया गया हैं। मगर इन अधिकारियों द्वारा बंद एसी कमरों में बैठकर मॉनिटरिंग की जा रही है। धरातल पर शिक्षा के हॉल बे हाल है। लटेरी में शिक्षा के क्या हालात हैं यह किसी से छुपे नही है। शिक्षा के जिम्मेदारों द्वारा स्कूल में पढ़ने वाले नौनिहालों से कही स्कूल में मध्यान भोजन के झूठे बर्तन मंजबाए जा रहे है तो कहीं इन बच्चों से स्कूल में झाड़ू लगवाई जा रही है। और कहीं स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को दी जाने बाली किताबें रद्दी की दुकान पर मास्टरों द्वारा बेची जा रही है।

दरअसल विदिशा के लटेरी में शिक्षा विभाग में हमेशा हैरान करने वाले मामले सामने आते रहते है, यहां के शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में अपनी खुद की बदनामी कराने की होड सी मची हुई है। यहां मास्टरों द्वारा एक से बढ़कर एक अजब गजब कारनामें किए जा रहे हैं। कहीं पर सरकारी मास्टर द्वारा किताबें रद्दी के भाव में बेची जा रही हैं। और वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में मास्टर द्वारा बच्चों से स्कूल में झाड़ू तो कही मध्यान भोजन के झूठे बर्तन स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से साफ कराए जा रहे हैं। सबसे मोटी तनख्वा पाने वाले मास्टर अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं बल्कि मौज मस्ती और टाइम पास के लिए स्कूल जाते है। सरकार के अनुसार स्कूल का टाइम 10-30 बजे निर्धारित है लेकिन लटेरी के सरकारी स्कूलों के मास्टर 12 बजे के बाद स्कूल पहुंचते हैं ,और रजिस्टर पर सिग्नेचर ठोक कर तत्काल अपने घर के लिए बापिस हो जाते हैं। इसमें गलती मास्टरों की नहीं है गलती है निरीक्षण कर्ताओं की।

पत्रकारों द्वारा हट दिवस शहरखेड़ा संकुल के कुछ स्कूलों का दौरा किया गया, सर्व प्रथम ये टीम बड़ागांव के स्कूल पहुंची,

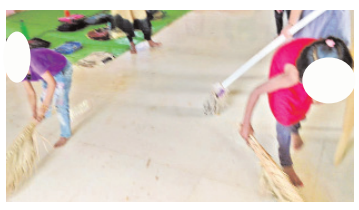

कर्मचारियों की उदासीनता के कारण बच्चों का भविष्य खराब

शहर खेड़ा शंकुल में 18 स्कूल आते है। इन ग्रामों में रहने वाले माता पिता अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते है, इन बच्चों से अपने पालकों को बहुत आशाएं और उम्मीदें है कि हमारा बच्चा पढ़ लिख कर हमारा और हमारे गांव का नाम रोशन करेगा लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फेरा जा रहा है सरकारी सिस्टम द्वारा, इन बच्चों को पढ़ाने के बजाय इन नाबालिकों से शिक्षकों द्वारा स्कूल प्यून के कार्य कराए जा रहे है। इन स्कूलों के निरीक्षण के लिए विकाशखंड शिक्षा अधिकारी से लेकर बीआरसी शंकुल प्राचार्य और दो दो जन शिक्षक नियुक्त है। हमारी टीम द्वारा शनिवार को दस स्कूलों का दौरा किया गया था जिसमें से पांच स्कूल बंद पाए गए, और पांच स्कूल खुले हुए पाए गए थे, जिनमें से बड़ागांव स्कूल और गोपाल पुर स्कूल में स्कूली बच्चों द्वारा झाड़ू से स्कूल की सफाई की जा रहीं थी, ग्राम छिरारी के स्कूल में स्कूली छात्र वर्तन मांजते हुए पाया गया, नियुक्त अधिकारियों द्वारा समय पर इन स्कूलों का निरीक्षण किया जाता तो इस संकुल के मास्टर इतने बेपरवाह न होते। दोनों जनशिक्षकों से इस विषय में बात करना चाही तो उन्होंने हमारा मोबाइल रिसीव करना भी मुनासिब नहीं समझा।

यहां पर छोटे छोटे बच्चों द्वारा स्कूल की झाड़ू से साफ सफाई की जा रहीं थी, बच्चों से साफ सफाई के बारे में पूछने पर बच्चों ने बताया कि मेम हमसे रोज स्कूल की सफाई करवाती है, और स्कूल भी कभी कभार एकाध घंटे के लिए आती है, और अपनी हाजरी भरकर घर के लिए निकल जाती है। जब हमने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि जो अतिथि टीचर है, वो ही हमको पढ़ाते है, मेम कभी नहीं पढ़ाती है। इसके बाद टीम पहुंची सेमरा मेघनाद यहां पर स्कूल में ताला डला हुआ था, बच्चे स्कूल के बाहर बैठकर शिक्षक का इंतजार कर रहे थे, हमारी टीम द्वारा बच्चों से पूछा गया कि तुम्हारे शिक्षक कहां है, तो नन्हे मुन्ने बच्चों ने बताया कि मस्साब आठ दस दिन में एक बार आते है, ओर पढ़ाते नहीं हैं बस बैठ कर फोन पर बातें करते रहते हैं, और फिर चले जाते है। इसके बाद टांडा चक्क यहां के स्कूल की हालात ही खराब दिख थे, स्कूल में गोबर पड़ी हुई थी, ग्रामीणों से स्कूल के बारे में पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि यहां पर कभी भी कोई मास्टर पढ़ाने नहीं आता है।

मेन रोड वाले स्कूलों के हाल बेहाल, महीने में खुल जाते हैं कभी-कभार

ग्राम चेनपुरा के स्कूल पर ताला जड़ा हुआ था, स्कूल के सामने एक दादा खड़े थे थे उन्होंने बताया महीने में एक या दो दिन के लिए ही स्कूल खुलता है, बाकी के दिनों में बंद ही रहता है, अब हम पहुंचते है गोपालपुर यहां का नजारा भी अन्य स्कूलों की तरह ही था, छोटे छोटे बच्चे जिन हाथों में कलम पकड़ना थी, उन हाथों में झाड़ू लेकर स्कूल की सफाई कर रहे थे, जब हमने पूछा कि आप स्कूल की सफाई क्यों कर रहे हो, तो बच्चों ने बताया कि सर ने बोला है, लंच टाइम है आप स्कूल की सफाई कर लो, में गांव में घूमकर आता हूं। इसके बाद ग्राम छिरारी यहां का नजारा कुछ और ही था, इस स्कूल का एक नन्हा सा बच्चा मध्यान भोजन के बर्तन साफ कर रहा था, हमारे द्वारा बच्चे से पूछा कि आप इसी स्कूल में पढ़ते हो बच्चा कुछ बोलता इसके पहले पास में खड़ा एक व्यक्ति बच्चे की तरफ कुछ इशारा कर देता है, तो बच्चा कहता हैं कि मैं इस स्कूल में नहीं पढ़ता हूं, हालांकि वो बच्चा उसी स्कूल में ही पड़ता है।

क्या कहते है जिम्मेदार

आपके द्वारा मुझे जानकारी मिली है कि बड़ागांव और गोपालपुर के स्कूल में बच्चों से झाड़ू लगबाए जा रहे है। एवं ग्राम छिरारी के स्कूल में स्कूली छात्र से मध्यान भोजन के बर्तन साफ करबाए जा रहे हैं। शिक्षकों का यह कृत निंदनीय है, इन शिक्षकों के खिलाफ अनुसात्मक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ कार्यालय को लिखा जा रहा है। जो शिक्षक अनुपस्थित पाए गए थे उनकी एक दिन की वेतन काटी जा रही है।

-वीरेंद्र सिंह बघेल,
विकासखंड शिक्षा अधिकारी लटेरी

जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक आयोजित

परंपरागत फसलों के स्थान पर 1200 एकड़ में नई फसलों की बोवनी

विदिशा , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि एवं संबंद्ध विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसमें बताया गया राज्य फसल विविधिकरण प्रोत्साहन योजना अंतर्गत विदिशा जिले में इस वर्ष परम्परागत फसलों जैसे- गेहूं, चना एवं मसूर के स्थान पर अवशगंधा, मटर, धनिया एवं जैविक चना की खेती किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं कि किस प्रकार कृषकों का जोखिम कम हो तथा लाभ अधिक हो। इसी कडी में विभिन्न संस्थाओं को विविधिकरण किये जाने हेतु विभाग द्वारा दायित्व सौंपे गये हैं। ये संस्थायें कृषि विभाग के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किसानों के क्लस्टर बना कर नई फसलों का उत्पादन, विपणन, प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग आदि करके कृषकों को आत्म निर्भर बनायेगें जिससे नई फसलों को प्रोत्साहन मिलेगा।

बैठक में संस्था आईटीसी के प्रतिनिधि डॉ. नागेन्द्र मिश्रा ने बताया कि जिले के विकासखण्ड विदिशा, ग्यारसपुर, कुरवाई एवं नटेरन क्षेत्र में 850 एकड़ क्षेत्र में अश्वगंधा की खेती की जा रही है। संस्था एईजी के प्रतिनिधि श्री अभिषेक गुप्ता ने बताया कि 200 एकड़ क्षेत्र में अवशगंधा की खेती की जा रही है। संस्था भूमिशा आर्गेनिक्स की प्रतिनिधि श्रीमति प्रतिभा तिवारी ने बताया कि लटेरी क्षेत्र में 150 एकड़ में जैविक चना का उत्पादन एवं ब्राडिंग का कार्य किया जा रहा है। संस्था फोरलीफ क्लोवर के प्रतिनिधि सुशील यादव ने बताया कि विकासखण्ड विदिशा एवं ग्यारसपुर में धनिया 40 एकड़ एवं सब्जी मटर 41 एकड़ में खेती की जा रही है। जिसको अगले 5 साल में बढाकर 5000 एकड़ किया जाएगा।

इस प्रकार इस वर्ष नई फसलों का क्षेत्र लगभग 1200 एकड़ होगा जो कि आने वाले 5 वर्षों में 20000 एकड़ होने की संभावना है। जिससे जिले के किसानों को सीधा लाभ तथा जोखिम भी कम उठाना पड़ेगा।

लंबित शिकायतों का शीघ्र हो निराकरण : कलेक्टर

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने टीएल मीटिंग में जनसुनवाई की लंबित शिकायतों की भी गहन समीक्षा की है। उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित 10 नवंबर की शेष लंबित 115 शिकायतों तथा 17 नवंबर की जनसुनवाई की 100 शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों से चर्चा कर इन शिकायतों को संतुष्टि से निराकृत कराए जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि जनसुनवाई में पहुंचने वाले आवेदकों की समस्या का निराकरण शीघ्र अति शीघ्र हो जाए ताकि आवेदक एक ही समस्या को लेकर पुनः जनसुनवाई में ना आएं।

पशुओं की सेवा की मिसाल

पशु प्रेमी, आशीष भृगु जहाँ भूखा प्यासा पशु देखा और उन्होंने कुछ खाने को दिया वो अपने साथ गाडी मे बिस्कुट, रोटी, पूरी, आदि चीजें रखे रहते है आपको आसानी से आशीष ज़ी पशुओ को कुछ न कुछ खिलाते दिख जाएंगे उनकी पशुओ के प्रति सेवाभाव की बात ही अलग है चाहे वो पशु, गाये हो, कुत्ता हो, बकरी हो कोई पशु भूखा दिखा और उन्होंने फ़ौरन उसकी सेवा करने शुरू कर देते है अपनी गाडी की डिग्गी मे से बिस्कुट, रोटी, पूरी, जो भी हुआ खाने को और पशु को खिलाया और अपने काम के लिए रवाना ऐसे पशु प्रेमी बहुत कम देखने मे आते है लोगो को इनसे सीख लेना चाहिए अगर समाज के लोग ऐसा करने लगे तो कही पर भी कोई भी पशु भूखा नहीं दिखेगा।

बच्चों को दी साइबर अपराध से बचने की जानकारी

विदिशा। सोमवार को उप पुलिस अधीक्षक मासूम पटले, निरीक्षक उर्मिला यादव, सहायक उप निरीक्षक संजय नामदेव, महिला आरक्षक सुनीता कटियार द्वारा शासकीय हाई स्कूल सोनपुर विद्यालय, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालयमें बच्चों को साइबर संबंधी जानकारी देते हुए मोबाइल का दुरुपयोग न करने, साइबर फ्रॉड के वर्तमान में उपयोग में ले जाने वाले तरीके, पासवर्ड ओटीपी किसी भी अंजान व्यक्ति को ना बताने, मोबाइल फोन पर आने वाली लिंक को न खोलने के संबंध में समझाईश दी गई एवं किसी भी विपरीत परिस्थितियों में तत्काल 100 डायल करने की सलाह दी गई।

मेट्रो एंकर | बोर्ड परीक्षा की तैयारी

कोई बच्चा फेल न हो, कलेक्टर की प्राचार्य से वन टू वन

विदिशा , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किए जाने वाले प्रबंधो हेतु आयोजित बैठक को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले का एक भी विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में फेल नहीं होना चाहिए। यह नैतिक जबावदेंही संबंधित स्कूल के प्राचार्य के है। बच्चों के साथ शैक्षणिक उन्नयन के लिए हम क्या करें। इस हेतु विविध प्रकार के प्रयोग जिले में किए गए है।

कलेक्टर ने अपनी मंशा को जाहिर करते हुए कहा कि पिछले वर्ष

के खराब परीक्षा परिणामों में से सबक लेकर हम इस वर्ष के परीक्षा परिणामो में वह त्रुटि ना दोहराए इसके लिए उपाय को ढूंढना ओर उन पर अमल करना आवश्यक है। उन्होंने आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए वातावरण निर्मित करते हुए सौ प्रतिशत बच्चे पास हो ताकि हर शिक्षक के मन में यह विचार होना चाहिए कि मेरा स्कूल सबसे अच्छा है सभी बच्चे पास हो इसके लिए मुझे क्या करना है।

कलेक्टर सिंह ने हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल की बोर्ड परीक्षा में निम्न प्रदर्शन करने वाले स्कूलों के प्राचार्यो से वन-टू-वन चर्चा की जिसमें मुख्य रूप से पिछले वर्ष कितने बच्चे बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे और कितने पास हुए। इस वर्ष कितने बच्चे बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होंगे और वे सभी पास हो के लिए क्या रणनीति स्थानीय स्तर, शैक्षणिक स्तर एवं बच्चों के बौद्धिक विकास के आधार पर तय की है कि जानकारियां संवाद के दौरान जानी है।

जर्मन टीम ने यूएफा नेशंस लीग टूर्नामेंट में दर्ज की सबसे बड़ी जीत

फ्रीबर्ग. एजेंसी

जर्मनी ने यूएफा नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में रेकॉर्ड जीत के साथ लीग-ए के ग्रुप-3 में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। जर्मन टीम ने यहां बोस्निया और हर्जेगोविना की टीम को 7-0 से हराया, जो इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी जीत है। जर्मनी ने पहले ही क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली थी, लेकिन इस जीत से वह ग्रुप में शीर्ष पर रहा। अब टूर्नामेंट के मार्च में होने वाले अगले चरण में उसका मुकाबला दूसरे ग्रुप की उपविजेता टीम से होगा।

लीग-ए से बाहर हुई टीम

इस हार ने बोस्निया-हर्जेगोविना को लीग-ए से बाहर कर दिया। मैच में क्लाइडीनस्ट व फ्लोरियन विर्ट्ज ने दो-दो गोल किए, जबकि काइ हार्वेत्ज, लेराइ साने, मुसियाला ने एक-एक गोल दागा। दूसरी तरफ, तुर्किये और वेल्स मैच गोलरहित रहा। स्वीडन ने स्लोवाकिया को हराया।

टिम क्लाइनडीनस्ट ने दागा पहला गोल

पहले हाफ में जमाल मुसियाला के हेडर से टीम ने दूसरे ही मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद 23वें मिनट में टिम क्लाइनडीनस्ट ने गोल किया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल था।

नीदरलैंड्स क्वार्टर फाइनल में

लीग के एक अन्य मैच में नीदरलैंड्स ने हंगरी पर 4-0 की जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली। पहले हाफ में वाउट वेघोर्स्ट और कोडी गाकपो ने पेनल्टी पर गोल करके मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। फिर डेंजल डम्फ्रीज ने 64वें मिनट में टीम का तीसरा गोल कर दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में सब्स्टीट्यूट ट्यून कूपमाइनर्स ने डम्फ्रीज के सटीक क्रॉस पर हेडर से चौथा गोल कर मैच का स्कोर 4-0 कर दिया।

मेजबान ऑस्ट्रेलिया बना रहा तेज व उछाल वाली पिच

22 नवंबरको मैच, भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स पर शुरू किया अभ्यास

पर्थ. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम पर्थ पहुंच गई है। भारतीय टीम यहां दो ग्रुप में पहुंची है। पहले ग्रुप में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल व विकेटकीपर ऋषभ पंत शामिल थे। यहां पहुंचने के बाद पहले ग्रुप के खिलाड़ियों ने नेट्स पर अभ्यास करना शुरू कर दिया है। इस दौरान बल्लेबाजों ने उस पिच पर अभ्यास किया, जिस पर घास थी और तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अभ्यास शुरू कर चुके हैं। भारतीय टीम की ट्रेनिंग के दौरान स्टेडियम में दर्शकों और मीडिया को एंट्री नहीं दी गई। यहां तक की ग्राउंड स्टाफ को फोन का इस्तेमाल करने से भी रोक दिया गया। इसके अलावा, ग्राउंड को भी नेट्स से पूरा कवर कर दिया गया। भारतीय टीम जब 22 नवंबर को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी तो उसके लिए राह आसान नहीं होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट मैच के लिए तेज और उछाल वाली पिच बना रहा है, जिससे उसके तेज गेंदबाजों का फायदा मिल सके। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलते हुए भारतीय टीम पहले टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गई थी। न्यूजीलैंड से पहले बांग्लादेश के खिलाफ भी पहले टेस्ट की पहली पारी में भारतीय बल्लेबाज तेज गेंदबाजों के सामने लडखड़ा गए थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन भारतीय बल्लेबाजों की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करना चाहता है। इस कारण उसने पर्थ में तेज विकेट तैयार करने का निर्देश दिया है।

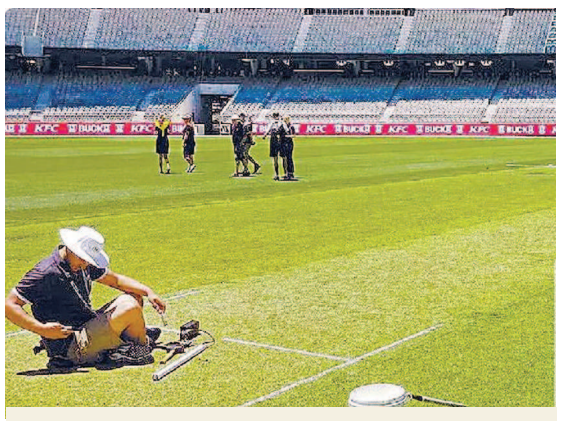

तेज गेंदबाजों को मिलेगा फायदा

पर्थ की विकेट वेस्ट ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के प्रमुख क्यूरेटर इस्साक मैकडोनाल्ड तैयार कर रहे हैं। इस पिच पर काफी घास होने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया है और यह पर्थ है। यहां हम ऐसी पिच बनाएंगे, जिस पर अच्छी पेस और बाउंस होगा। तेज गेंदबाजों को यहां गेंदबाजी करने में काफी मजा आएगा।

नए स्टेडियम में कंगारू टीम का अजेय रेकॉर्ड

पर्थ में 2017 में नया ऑप्टस स्टेडियम बनाया गया। इस स्टेडियम में अब तक सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले गए हैं और सभी मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। 2018 में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया से यहां एकमात्र टेस्ट खेला और उसे 146 रन का हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में भारतीय टीम लिए चुनौती आसान नहीं होगी। खास यह है कि यहां खेले गए पिछले चार टेस्ट मैचों में तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाया है।

इन्दौर में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाड़ियों ने जीते 13 पदक

नई दिल्ली. एजेंसी

ऑल इंडिया जीवी मावलंकर शूटिंग शाटगन चैम्पियनशिप का आयोजन आर्मी निशानेबाजी यूनिट, मऊ इन्दौर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में मप्र राज्य शूटिंग अकादमी के शाटगन खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर 8 स्वर्ण, 5 रजत सहित कुल 13 पदक अर्जित किये। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में किये गये प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को नेशनल में प्रतिभागिता कर प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। **इन्होंने जीते पदक:** वलीद कुलि खान (ट्रेप मेन सीनियर) - स्वर्ण, वलीद कुलि खान (ट्रेप मेन जूनियर) - स्वर्ण, मानतिव सिह रावत (ट्रेप मेन सीनियर) - रजत, हीना रश्मि (ट्रेप वूमेन सीनियर) - स्वर्ण, पूनम रघुवंशी (ट्रेप वूमेन सीनियर) - रजत, हीना रश्मि (ट्रेप वूमेन जूनियर) - स्वर्ण, पूनम रघुवंशी (ट्रेप वूमेन जूनियर) - रजत, नवनीत सिंह (स्कीट मेन सीनियर) - स्वर्ण, नवनीत सिंह (स्कीट मेन जूनियर) - स्वर्ण, अहराम अली (स्कीट मेन जूनियर) - रजत, ओशिम श्रीवास (स्कीट वूमेन सीनियर) - स्वर्ण, ओशिम श्रीवास (स्कीट वूमेन जूनियर) - स्वर्ण, गरिमा शाक्या (स्कीट वूमेन जूनियर) - रजत हासिल किया है।

एटीपी फाइनल्सः फ्रिट्ज को हरा कर सिनर पहली बार बने चैंपियन

तुरिन . एजेंसी

विश्व नंबर एक खिलाड़ी इटली के जेनिक सिनर ने इस सीजन का समापन शानदार अंदाज में किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सीजन के अंतिम टेनिस टूर्नामेंट एटीपी फाइनल्स का खिताब पहली बार अपने नाम कर लिया। रविवार को यहां खेले गए पुरुष एकल के फाइनल में सिनर ने अमरीका के टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। सिनर पिछले साल यह खिताब जीतने से चूक गए थे। तब उन्हें नोवाक जोकोविच के हाथों फाइनल में हार मिली थी। लेकिन इस बार सिनर ने कोई गलती नहीं की। इस जीत के साथ ही सिनर का नंबर वन ताज भी बरकरार रहेगा।

स्विटेक के दम से पोलैंड पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा

बिलि जीन किंग कपः अब इटली से सामना

मलागा. एजेंसी

विश्व नंबर दो महिला एकल खिलाड़ी इगा स्विटेक के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने पहली बार बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्विटेक ने क्वार्टरफाइनल में चेक गणराज्य के खिलाफ दो मैच जीते। पोलैंड ने 2-1 से मुकाबला जीत अंतिम चार में जगह बनाई, जहां उसका सामना इटली से होगा। स्विटेक ने एकल में लिंडा नोसकोवा को 7-6, 4-6, 7-5 से हराया और फिर कतार्जिना कावा के साथ युगल मैच में 6-1, 6-4 से जीत लिया।

ट्रंप 2.0 टैरिफ वॉर की आशंका से 9 फीसदी गिरा ग्लोबल मेटल इंडेक्स

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप की जीत के बाद से अब तक अमरीकी डॉलर इंडेक्स 4 फीसदी से अधिक चढ़कर 106.67 पर पहुंच गया है, इससे डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 0.5 फीसदी टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 84.48 रुपए पर पहुंच गया। जबकि इस दौरान चीन की युआन 1.83 फीसदी गिरा। साथ ही सोना-चांदी सहित तमाम बेस मेटल्स में बड़ी गिरावट आई। ट्रंप की जीत के बाद से अमरीका और चीन के बीच ट्रेड वॉर 2.0 की आशंका से ग्लोबल मेटल इंडेक्स अब तक 9 फीसदी गिरा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ट्रंप की 'अमरीका फर्स्ट' नीति के कारण चीन के साथ भारत से निर्यात की जाने वाली चीजों पर टैरिफ बढ़ सकता है। इससे आईटी, दवा और कपड़ा क्षेत्र पर खास तौर पर असर पड़ेगा। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा ट्रंप भारत के ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फार्मा और वाइन सेक्टर पर ऊंचे टैरिफ लगा सकते हैं। वहीं यूबीएस सिक्योरिटीज ने कहा, वैसे तो ट्रंप भारत के लिए अच्छे हैं, पर ट्रंप के आने से टैरिफ वॉर छिड़ेगा और ग्लोबल इकनॉमी सुस्त पड़ जाएगी, जिसका असर भारत के विकास दर पर भी दिखेगा। हालांकि, ट्रंप 2.0 में अमरीका में अधिक कच्चे तेल के उत्पादन की उम्मीद है, जिससे क्रूड सस्ता होगा और भारत को लाभ होगा।

20 नवंबर से एफएंडओ में कॉन्ट्रैक्ट साइज तिगुना

मुंबई, एजेंसी

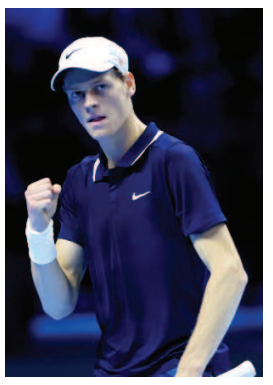

फ्यूचर्स एंड ऑप्शन (एफएंडओ) के वॉल्यूम में बड़ोतरी और इसमें छोटे निवेशकों को होने वाले बड़े घाटे से बचाने के लिए सेबी का प्रस्तावित नियम चरणबद्ध तरीके से 20 नवंबर से प्रभावी हो जाएगा। इससे एफएंडओ की तेजी पर अंकुश लगने की उम्मीद है। सेबी ने एफएंडओ ट्रेडिंग के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइज को तिगुना कर दिया है। साथ ही यह अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक एक्सचेंज में सप्ताह में केवल एक सूचकांक के लिए ही डेरिवेटिव अनुबंध होगा। डेली एक्सपायरी बंद हो जाएगी। डेरिवेटिव कांट्रैक्ट का मिनमम ट्रेडिंग अमाउंट 15 लाख रुपए होगा, जो अभी 5 से 10 लाख रुपए के बीच है। इसके बाद दूसरे चरण में इसे बढ़ाकर 15 से 20 लाख रुपए किया जाएगा। एक लॉट की कीमत कम से कम 15 लाख रुपए होगी। इससे एफएंडओ ट्रेडिंग के लिए अधिक मार्जिन मनी (पैसे) की जरूरत होगी और छोटे निवेशक एफएंडओ से दूरी बनाएंगे।

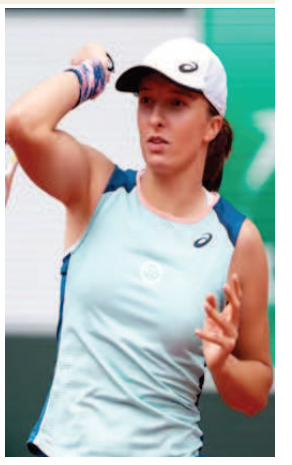

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

आमिर खान ने कहा- 'भूल भुलैया 3' से 'सिंघम' ने टकरा कर की गलती!

कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' का बॉक्स ऑफिस पर आमना-सामना हुआ। अब अभिनेता आमिर खान ने भी अनीस बज्मी की फिल्म की तारीफ की है। इस वर्ष दिवाली पर दो बॉलीवुड की दो बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टकराईं। यह दो फिल्में थीं रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन अभिनीत अनीस बज्मी की 'भूल भुलैया 3', दोनों फिल्मों के एक साथ रिलीज होने से इनकी कमाई पर भी असर पड़ा। इन्हें रिलीज हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और आंकड़े बता रहे हैं कि 'भूल भुलैया 3' ने बॉक्स ऑफिस पर बाजी मार ली है। यहां तक की अभिनेता आमिर खान को भी लगता है कि 'भूल भुलैया 3' बेहतर थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आमिर खान को अनीस बज्मी से 'भूल भुलैया 3' की तारीफ करते हुए सुना जा सकता है। वायरल हो रही छोटी क्लिप में आमिर खान को निर्देशक अनीस बज्मी से बात करते हुए सुना जा सकता है। आमिर कह रहे हैं, उन्होंने आपकी भूल भुलैया से टक्कर लेकर गलती कर दी। आंकड़ों की बात करें तो 'भूल भुलैया 3' ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 231.4 करोड़ रुपये 17 दिनों में कमाए हैं। वहीं 'सिंघम अगेन' ने 231.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अजय देवगन की सिंघम अगेन में करीना कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने प्रमुख भूमिका निभाई है। वहीं 'भूल भूलैया 3' की बात की जाए तो यह प्रियदर्शन द्वारा 2007 में शुरू की गई हॉरर कॉमेडी की तीसरी किस्त है। कार्तिक आर्यन ने 'भूल भुलैया 2' से इस फ्रेंचाइजी में एंट्री ली और अब इसकी तीसरी किस्त में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आए हैं।

'कृष 4' से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन, पिता ने किया निर्देशन से रिटायरमेंट का फैसला

फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने अपने निर्माता के किरदार पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की है कि वे निर्देशन से रिटायरमेंट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे 'कृष 4' को प्रोड्यूस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रोडक्शन हाउस से अपने बेटे की फिल्म बनाने वाले हैं। राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि वे कभी निर्देशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही कृष 4 को लेकर घोषणा करेंगे। बता दें कि राकेश रोशन ने ऋतिक रोशन की फिल्म बैंग बैंग, वॉर और फाइटर को भी प्रोड्यूस किया है। उन्होंने कहा, कृष जल्द ही वापस आ रहा है। राकेश रोशन ने 2003 में साइंस-फिक्शन फिल्म कोई मिल गया के साथ इस फेंचाइजी की शुरुआत की थी। उन्होंने 2006 में कृष के साथ इसे सुपरहीरो सीरीज में विस्तारित किया, इसके बाद 2013 में कृष 3 बनाई। ऋतिक रोशन ने पूरी सीरीज में रोहित और उनके बेटे कृष्णा, जिन्हें कृष के नाम से भी जाना जाता है, दोनों की भूमिका निभाई। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन को उनकी हालिया फिल्म फाइटर में देखा जा चुका है। इस फिल्म में उन्हें अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। पिछले साल हुई कृष 4 की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

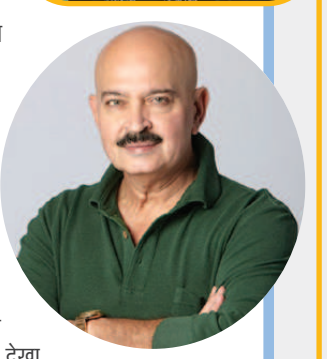

विल स्मिथ के साथ गंवाया डेब्यू का मौका, तारा की पहली फिल्म के लिए भारत आए हॉलीवुड स्टार

तारा सुतारिया की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनत्रियों में होती है। वह हर साल 19 नवंबर को अपना जन्मदिन मनाती हैं। इस बार उनका यह 29वां जन्मदिन हैं। तारा की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने कम समय में बॉलीवुड में खास जगह बनाई है। तारा सुतारिया का जन्म मुंबई में हुआ। उनके पिता हिमांशु सुतारिया हिंदू धर्म और मां टीना पारसी समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने सेंट एंड्रयूज कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स से मास मीडिया में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आपको जानकर हैरानी होगी कि तारा की एक जुड़वां बहन भी हैं, जिनका नाम पिया सुतारिया है। यूं तो पिया लाइमलाइट से काफी दूर नजर आती हैं, लेकिन वह खूबसूरती के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। तारा सुतारिया को गायकी और डांस में महारत हासिल है। उन्होंने क्लासिक बैले और मॉडर्न डांस का प्रशिक्षण ले रखा है। तारा ने बहुत छोटी उम्र से गायकी शुरू कर दी थी। वह सात साल की उम्र से पेशेवर गायिका के तौर पर अपनी आवाज का जादू बिखेर रही हैं। तारा ने डिज्मी इंडिया के शो बिग बड़ा बूम में गायिका के तौर पर अपनी शुरुआत की थी और फिर इसी चैनल के सिटकॉम द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर (2012) और ओए जस्सी (2013) से अभिनय में कदम रखा। इन दोनों ही शोज से उन्हें लोगों के बीच खास पहचान मिली। तारा सुतारिया उन दो अभिनोत्रियों में से एक थीं, जिन्हें हॉलीवुड फिल्म अलादीन के लिए चुना गया था। राजकुमारी जैस्मीन के रोल की वह प्रबल दावेदार थीं। हालांकि, बाद में यह रोल नाओमी स्कॉट के पास चला गया। फिल्म अलादीन में विल स्मिथ जैसे हॉलीवुड के बड़े सुपरस्टार ने अहम भूमिका निभाई थी। तारा ने भले ही विल स्मिथ की फिल्म से डेब्यू का मौका गंवा दिया, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। तारा की पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 थी, जिसमें विल स्मिथ विशिष्ट भूमिका में दिखे थे। इस फिल्म के लिए हॉलीवुड स्टार ने भारत आकर एक गाने में अपनी झलक दिखाई थी।

पुलिस रिमांड में पूछताछ में खुलासा, बिहार में रहने वाले संजय का नाम उगला

सैकड़ों हुए शिकार

जालसाज फर्जी अकाउंट खोलकर लोन एप एक्सटार्शन गिरोह को बेच रहे थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

साइबर जालसाजों को बैंक अकाउंट और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले गिरोह से पुलिस रिमांड के दौरान चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। सरगना शशिकांत कुमार उर्फ मनीष ने पटना, बिहार निवासी संजय का नाम बताया है। पुलिस की रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी ने बताया कि संजय उससे बैंक अकाउंट लेकर चीन से आपरेट हो रहे लोन ऐप, एक्सटार्शन गिरोह को बेचता था। गिरोह इन बैंक अकाउंट्स में एक्सटार्शन से मिलने वाले रुपए जमा करते थे और नगदी निकाल लते थे। संजय का नाम आने के बाद पुलिस की अलग अलग टीम उसकी तलाश में पटना में डेरा डाले हुए हैं। संजय की कॉल डिटेल में पुलिस को पता चला कि वह देशभर के अलग-अलग राज्यों में जालसाजों के कांटेक्ट में है। डीसीपी रियाज इकबाल ने बताया कि संजय के गिरफ्तार होने के बाद और भी चौकाने वाले खुलासे होने की संभावना है।

अकाउंट कराए जा रहे फ्रीज

मामले की जांच कर रही एसआईटी ने शशिकांत द्वारा खुलवाए गए 120 फर्जी बैंक अकाउंट को फ्रीज करने संबंधित बैंकों को पत्र लिखा है। टीआई हनुमानगंज अवधेश सिंह भदौरिया ने बैंकों ने खाते फ्रीज करना शुरू कर दिया है। अन्य बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हनुमानगंज पुलिस ने बिहार के सात सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके पास से 120 बैंक पासबुक, 400 मोबाइल सिम कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, समेत अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किया था। गिरोह के सभी सदस्य बिहार के रहने वाले हैं। गिरोह का सरगना शशिकांत 20 नवंबर तक पुलिस की रिमांड पर है। शशिकांत दो साल में करीब 18 सौ बैंक खाते खुलवाकर उन्हें बेच चुका है।

हनुमानगंज पुलिस ने किया था फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा, आधार कार्ड एडिट कर सिम मोबाइल सिम करा रहे थे जारी, अकाउंट खोल बेचने का हुआ था खुलासा

सरगना ने खुद का पैसा भी फर्जी खातों में रोटेट किया

पुलिस की जांच में सामने आया कि सरगना शशिकांत अपना बैंक खाता तक नहीं खुला रखा है। वह बैंक अकाउंट बेचने में मिले पैसे को भी फर्जी तरीके से खुलवाए गए बैंक खातों में जमा कराता था। उन्हें खातों में रोटेट करता रहता है। इस तरह उसके गिरोह से जु? अन्य आरोपी भी करते हैं। उसके पास मिली डायरी की भी जांच की जा रही है। उसमें हजारों बैंक अकाउंट के नंबर लिखे हुए हैं। जिन्हें खाता बेचे गए उनके भी नाम हैं।

इन तीन स्तर पर पुलिस कर रही जांच

1. **नेटवर्क :** एसआईटी का मानना है कि शशिकांत के अलावा भी गिरोह उससे जु? हैं। जो बैंक खाता लेने के बाद अलग-अलग गिरोह तक पहुंचाते हैं।
2. **वित्तीय गड़बड़ी :** पुलिस को आशंका है कि फर्जी बैंक खातों का उपयोग सिर्फ जालसाजी के लिए नहीं हुआ होगा। हवाला, मनी लॉन्ड्रिंग के लिए भी फर्जी खातों का उपयोग किया गया होगा।
3. **लोन फ्रॉड :** पुलिस को आशंका है कि फर्जी खातों से गिरोह ने बैंकों से लोन भी लिया होगा। शशिकांत ने पूछताछ में भी लोन की बात कबूली है।

भोपाल की सात बैंक में खुलवाए 120 अकाउंट

टीआई अवधेश ने बताया कि भोपाल की अलग-अलग सात बैंकों की अलग-अलग ब्रांच से करीब 120 बैंक अकाउंट गिरोह ने खुलवाए हैं। गिरोह उन बैंकों से अधिकतर खाते खुलवाए हैं, जिसमें अकाउंट ओपन की फीस कम है। अधिक फीस लेने वाले बैंकों में वह खाते खुलवाने नहीं जाते।

बैंक, दूरसंचार कंपनियों की कमिश्नर लेंगे बैठक

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने बताया कि गिरोह ने जो बैंक खाते फर्जी तरीके से खुलवाए हैं। उनकी जांच की जा रही है। गिरोह के लिए खाता खोलने वाले संबंधित बैंक के अधिकारियों, सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाली दूरसंचार कंपनियों के अधिकारियों को बुधवार को बुलाया गया है। उनसे पुलिस बैंक खाता खोलने के दौरान अपनाने वाली प्रक्रिया के बारे में जानेगी। इसके साथ ही सिम कार्ड देने वाली दूरसंचार कंपनियों से भी संलिप्तता, लापरवाही आने पर बैंक अधिकारियों पर भी प्रकरण दर्ज होगे । पुलिस कमिश्नर ने बताया कि बैंक अधिकारियों की खाता खोलने में लापरवाही, लिप्तता सामने आने के बाद उन्हें भी आरोपी बनाया जाएगा। पुलिस यह जांच कर रही कि बैंकों ने खाता खोलने में आरबीआई के नियमों का पालन किया है या नहीं। जांच के बाद संबंधित बैंकों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने बताया कि फर्जी बैंक अकाउंट से बड़े स्तर पर फ्रॉड हुआ है।

तमिलनाडू एक्सप्रेस से यात्री का ट्रॉली बैग चोरी, अन्य ट्रेनों में मोबाइल गायब

स्टेशन परिसर पर सामान और मोबाइल रखकर सोना हुआ मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात लगातार बढ़ रही है। अलग अलग ट्रेनों में चोरों ने वारदात करते हुए यात्रियों के बैग समेत मोबाइल और अन्य सामान चुरा लिया। जीआरपी भोपाल ने सभी मामलों में चोरी के प्रकरण दर्ज कर लिए है। जीआरपी चोरों की तलाश कर रही है। जीआरपी के अनुसार सचिन कुमार निवासी भरतपुर, नई दिल्ली से चेन्नई की यात्रा तमिलनाडू एक्सप्रेस से कर रहे थे। वे जनरल कोच में ऊपर वाली सीट पर खाना खाकर सो गए। उनका ट्रॉली बैग नीचे वाली सीट के नीचे रखा था। ट्रॉली बैग के अंदर एक ग्लाइंडर मशीन, एक जोड़ी कपड़े, एक मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, यात्रा टिकट और तेरह सौ रुपए की नगदी थी। नींद का फायदा उठाकर चोर का उनका ट्रॉली बैग चुराकर ले गया। भोपाल स्टेशन पर जब ट्रेन शुरू हुई तब उन्हें ट्रॉली बैग चोरी होने की भनक लगी। बैग में करीब दस हजार का सामान था।

जेब से मोबाइल चोरी: जीआरपी ने बताया कि दिलीप पिता शम्भू दयाल (48) कोतवाली जिला कटनी में रहते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि वे नर्मदा एक्स के कोच एस/8 में परिवार के साथ जबलपुर से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वे और परिवार के सभी लोग सो गए। उनकी पेंट की जेब में मोबाइल रखा था। सीहोर आने के लगभग 10 मिनट पूर्व मेरी नींद खुली तो पेंट की जेब में मोबाइल था। भोपाल स्टेशन पहुंचने पर पता चला कि जेब से मोबाइल चोरी हो चुका है। इसी प्रकार अमित सूर्यवंशी निवासी घोड़ाडोंगरी ने जीआरपी में शिकायत करते हुए बताया कि वह भोपाल रेलवे स्टेशन पर जनरल टिकिट लेकर प्लेटफार्म पर सो गया। इस दौरान मोबाइल पेंट की जेब में रखा था। नींद खुली तो जेब में रखा मोबाइल नहीं था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 28 हजार रुपए है।

भोपाल बीना मेमो से यात्री का 42 हजार का मोबाइल चोरी

पंकज दुबे नि. ग्राम वावली गंजबासौदा ने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि वे गंजबासौदा जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचे। जनरल टिकिट लेकर भोपाल बीना मेमो में आगे के जनरल कोच में चढ़े। ट्रेन में अंदर पहुंचने पर पता चला कि उनकी जेब में मोबाइल नहीं है। कोई अज्ञात चोर मोबाइल चुरा चुका था। चोरी गए आईफोन की कीमत 42 हजार रुपए है।

पार्सल कस्टम में फंसने का झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट

लैपटाप से रूम का एग्जिट और इंट्रेंस तक देखा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा क्षेत्र में एक निजी स्कूल के संचालक को उनके घर में डिजिटल अरेस्ट करने के मामले में आरोपियों का सुराग नहीं लगा है। सायबर जालसाजों ने लैपटॉप के कैमरे को 360 डिग्री घुमवाकर उनके रूम के एग्जिट और एंट्रेंस देख लिए थे। जालसाजों ने उनकी पत्नी को भी कमरे में बुलवा लिया था। उनका मोबाइल अपने सामने रखवा लिया। पति-पत्नी दोनों वीडियो कॉल पर थे। उन्होंने किसी से भी संपर्क करने से मना कर दिया। दवाई लेने तक के लिए उन्होंने दोनों को सर्विलांस पर रखा। उन्होंने बताया कि आपके आधार कार्ड का इस्तेमाल 7 राज्यों में किया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर वन्य प्राणियों के अवशेषों की तस्करी तक में इस आधार का इस्तेमाल किया गया है।

जालसाजों ने बैंकाक जाने वाले पार्सल में संचालक का आधार कार्ड मिलने के साथ टाइगर स्किन, नेल्स, 18 फर्जी पासपोर्ट और 8 एटीएम मिलने का झांसा देकर उन्हें डराया-धमकाया। दोनों को सर्विलांस पर रखा। इस बीच संचालक की पत्नी ने बच्चे के मोबाइल से यू-ट्यूब पर इस तरह के फर्जी स्कैम वाले मामले देख लिए। फजीवा?ी समझने के बाद उन्होंने मोबाइल नंबर बंद कर लिया और रात में ही सायबर पुलिस से शिकायत की। सायबर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सायबर क्राइम पुलिस के मुताबिक, 59 वर्षीय फारूख अंजुम खान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते हैं और निजी स्कूल का संचालन करते हैं। शनिवार दोपहर उनके पास कॉल आया। कॉलर ने खुद को डीएचएल पार्सल कंपनी का कर्मचारी बताकर बोला कि आपने जो पार्सल बैंकाक भेजा था, वह कस्टम में फंसा हुआ है। फारूख ने पार्सल भेजने से मना किया तो जालसाज ने कहा कि आपका आधार कार्ड लगा है, आप हमारे अधिकारी से बात कर लीजिए। जालसाजों से फारूख ने कहा मैं मैं बैंकाक में किसी को जानता भी नहीं हूं। जवाब मिला कि सर कस्टम वालों ने चेक किया तो पार्सल में टाइगर स्किन और नेल्स हैं। 18 पासपोर्ट हैं, और 8 एटीएम कार्ड हैं। फारूक ने लगातार मना किया तो उन्होंने कहा ठीक है आप सायबर सेल में उसकी शिकायत कर दें। जालसाज ने सायबर सेल दिल्ली को कॉल कनेक्ट करने का कहकर एक अन्य से बात कराई। फारूख से ऑनलाइन आने का कहकर लैपटॉप खुलवा लिया। स्काइप एप डाउनलोड करवाकर लाइव जोड़ लिया।

रंजिश में घर पहुंचे फूफा ने पत्थर से टीवी तोड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित महाराणा प्रताप नगर कलखेड़ा में पुराने विवाद में घर पहुंचे फूफा ने दस साल की मासूम को धमकाते हुए घर में रखी टीवी पत्थर से तोड़ दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ घर में घुसकर तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार दौलत इवने पिता रामकिशन इवने (32) माहाराण प्रताप नगर, कलखेड़ा रातीबड़ में रहते हैं और मिस्त्री का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ काम कर पर गए थे। इस दौरान उनकी 10 साल की बेटी मीरा इवने घर पर अकेली थी। शाम को वे पत्नी के साथ घर लौटे तो घर के आसपास कुछ लोग इकठ्ठा थे। दौलत ने पूछा क्या हो गया तो मेरी बेटी मीरा इवने ने बताया कि कुछ देर पहले फूफा विजय जाट घर आए थे।

वे आपका पूछ रहे थे। मीरा ने कहा कि वह काम पर गए है तो फूफा विजय ने गंदी गंदी गालियां दी। इसके बाद घर में अंदर घुस गए और पत्थर से टीवी तोड़ दी। यहां से पड़ोस में रहने वाली मीरा की दादी मंगो बाई के घर पहुंचा था। वहां भी उन्होंने हंगामा किया और दादी के साथ मारपीट की।

कैफे में युवती से मारपीट, हंगामा

टीटी नगर थाना क्षेत्र में वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित नीड मोर कैफे में बदमाश ने एक युवती के साथ गालीगलौज करते हुए उससे मारपीट कर दी। मारपीट में उसे दाहिने हाथ, पेट और गले के पास चोट आई है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार साक्षी खरे पिता बालाप्रसाद (25) मैनिट कैंपस, कमला नगर में रहती हैं। उसने अपनी सहेली दिव्यांशी के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत में उसने बताया कि वह न्यू मार्केट में कप? की दुकान पर काम करती है। दो दिन पहले रात करीब सा? दस बजे वह नीड मोर कैफे हट बाजार, टी टी नगर पर चाय पीने गई?थी, वहां पर रोहित आ गया और उससे गालीगलौज करने लगा। साक्षी ने उसे गाली देने से मना किया तो वह भड़क गया और मारपीट करने लगे। हाथ मुक्कों से उसने मारपीट की।

मारपीट से उसे दाहिने हाथ, पेट व गले पर दाहिने तरफ चोट आई है। मारपीट होती देख साथ मौजूद दिव्यांशी अजय और अंकित ने बीच बचाव किया था। इस बीच रोहित ने जाते जाते धमकी दी है कि आज तो बच गई आइंदा मिली तो जान से खत्म कर दूंगा।

प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण करने के मामले में अब आरोपियों के ठिकानों पर पुलिस दे रही दबिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरक्षक समेत आरोपी फरार, ड्यूटी से अक्सर गैर हाजिर रहता था आरक्षक

कोलार के प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण कर पत्नी से तीस लाख की फिरौती मांगने वाले आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। प्रकरण दर्ज होने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोलार पुलिस की अलग-अलग टीम हर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है, लेकिन एक भी आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लग सका। सभी आरोपी ग्वालियर के हैं। अनुमान है कि वह ग्वालियर में फरारी काट रहे होंगे। पुलिस ने ग्वालियर पुलिस आरोपियों का रिकॉर्ड मांगा है। अब तक की प?ताल में संजय राजावत, आकाश राजावत, पंकज परिहार, आरक्षक हेमंत चौहान, और ओम राजावत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रॉपर्टी डीलर ने अपनी शिकायत में बताया था कि अपहरण के दौरान वाहनों से कुछ हथियार बंद बदमाश मौक पर पहुंचे थे और अपहरण की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में और भी आरोपियों की संलिप्तता सामने आने की आशंका है।कोलार के प्रॉपर्टी डीलर नीतेश ठाकुर का लेनदेन के विवाद में परिचितों ने ही अपहरण कर लिया था। मुरैना टोल नाके के पास अपहरण कर आरोपी उन्हें पत्नी से भोपाल में तीस लाख रुपए की फिरौती लेने के बाद उन्हें छोड़ा था।

बीमारी से परेशान होकर बुजुर्ग ने लगाई फांसी

शंकर नगर झुग्गी का मामला, पुलिस को नहीं मिला कोई सुसाइड नोट पड़ताल करने में जुटा विभाग

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शंकर नगर झुग्गी में सोमवार दोपहर बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उम्रदराज होने के कारण वह बीमार रहते थे। अनुमान है कि बीमारी से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 60 साल के राजेंद्र कुमार सोढी, शंकर नगर झुग्गी में रहते थे। उनके बेटे आकाश ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर उन्होंने अंदर कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही वे पिता को लेकर अस्पताल पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में घटित हुई वारदातों में दो लोगों की गई जान

बुजुर्ग ने संदिग्ध परिस्थितियों में तोड़ा दम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित जोन वन की प्रिंटिंग प्रेस में रहने वाले बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्हें अचानक घबराहट हुई थी। वे प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकले और पास ही एक दुकान पर पहुंचकर उन्होंने अस्पताल ले जाने की इच्छा जाहिर की। उन्हें जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके मुंह से झाग निकला था। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार अन्ना नगर निवासी 60 साल के गोपाल श्रीवास्तव, जोन वन में साहिल प्रिंटिंग प्रेस में काम करते थे और वे प्रिंटिंग प्रेस में ही रहते थे। रविवार रात करीब सवा 9 बजे के आसपास वे प्रेस में अकेले थे। उनकी तबीयत बिगड़ी और घबराहट होने लगी। वे प्रेस से निकलकर बाहर सड़क किनारे एक दुकान पर पहुंचे। उन्होंने दुकानदार से कहा कि मुझे घबराहट हो रही है और अस्पताल जाना है। दुकानदार ने परिचित से कहकर उन्हें जय प्रकाश अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद गोपाल को मृत घोषित कर दिया। उन्हें अटैक आया या फिर किसी जहरीले पदार्थ के पीने से मौत हुई इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में हम्माल की मौत, नाले में मिली लाश, जांच शुरू

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित आरपीएफ थाने के पास नाले में हम्माल की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सोमवार शाम करीब चार बजे सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूर्री में रखवा दिया है। ढिंढोरी से परिजन के पहुंचने के बाद उसका पीएम कराया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

पुलिस के अनुसार गणेश सरयाम पिता बसोर सरयाम (40) मूलत-गांव पिपरिया, तहसल ढिंढोरी, जिला ढिंढोरी में रहता था। भोपाल में उसका कोई स्थाई पता नहीं था। वह माल गोदाम में हम्माली कर लिया करता था। इसके अलावा उसे जो भी काम मिलता था करता था। साथी मजदूर गोपाल नरवरिया ने पुलिस को बताया कि गणेश यहां नाले पर रखी पटिया पर अक्सर सोता था। इसके अलावा शराब पीने का भी आदी था। अनुमान है कि नशे में वह नाले में गिरा है और कीचड़ में फंसने के कारण उठ नहीं सका।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022